शुभ लाभ

ओम गं गणपतये नमः

संपूर्ण जीवन फल

# संपूर्ण लाल किताब

जीवन भविष्यवाणी रिपोर्ट

जिनके लिए तैयार

## R Kumar

25/12/1998 · 05:05

📍 Pune, Maharashtra, India


LALKITAB ASTROLOGY RESEARCH CENTER

📞 919978781460 ✉ hello@lalkitabremedies.com 🌐 www.lalkitabremedies.com

🏠 17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga, Chandkheda, Ahmedabad

R Kumar
Sampurna Lal Kitab · LALKITAB ASTROLOGY RESEARCH CENTER
Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## जन्म विवरण

| | |
|---|---|
| नाम | R Kumar |
| पिता | लागू नहीं |
| जन्म तिथि | 25/12/1998 |
| जन्म समय | 05:05 |
| जन्म स्थान | Pune, Maharashtra, India |
| अक्षांश | 18.6448627° N |
| देशांतर | 73.9224157° E |
| लिंग | male |

## ज्योतिषीय विवरण

| | |
|---|---|
| लग्न | वृश्चिक · 221.52° |
| चंद्र राशि | कुंभ |
| सूर्य राशि | धनु |
| नक्षत्र | पूर्वा भाद्रपद (Pada 1) |
| नक्षत्र स्वामी | बृहस्पति |
| कुंडली प्रकार | नेकी कुंडली (मिश्रित) |
| शुभ ग्रह | बृहस्पति (88/100) |
| कमज़ोर ग्रह | शनि (32/100) |
| सक्रिय ऋण | 5 |
| दशा शेष | सूर्य Dasha · 17 years remaining (until age 45) |

## पंचांग विवरण

| | |
|---|---|
| तिथि | Shashthi (Shukla Paksha, No. 6) |
| नक्षत्र | पूर्वाभाद्रपद |
| योग | Siddhi |
| करण | Taitila |
| वार | गुरुवार |

| | |
|---|---|
| सूर्योदय | 7:03 |
| सूर्यास्त | 18:04 |
| चंद्रोदय | 11:05 |
| मास | Pausha |
| विक्रम संवत | 2055 |

## ग्रह स्थिति एवं बल

| ग्रह | ग्रह | H | राशि | अंश° | नक्षत्र | वक्री | स्वभाव | अंक | स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | सूर्य | 2 | वृषभ | 9.1° | मूल | - | - | 35 | कमज़ोर |
| चंद्र | चंद्र | 4 | कर्क | 20.5° | पूर्वाभाद्रपद | - | - | 83 | शक्तिशाली |
| मंगल | मंगल | 11 | कुंभ | 21° | हस्त | - | - | 42 | मध्यम |
| बुध | बुध | 1 | मेष | 18.1° | ज्येष्ठा | - | - | 58 | मध्यम |
| बृहस्पति | बृहस्पति | 4 | कर्क | 27.1° | पूर्वाभाद्रपद | - | Uchcha ↑ | 88 | शक्तिशाली |
| शुक्र | शुक्र | 2 | वृषभ | 22.7° | पूर्वाषाढ़ा | - | - | 50 | मध्यम |
| शनि | शनि | 6 | कन्या | 2.9° | अश्विनी | R(वक्री) | - | 32 | कमज़ोर |
| राहु | राहु | 10 | मकर | 0.9° | मघा | - | - | 68 | मध्यम |
| केतु | केतु | 4 | कर्क | 0.9° | धनिष्ठा | - | - | 35 | कमज़ोर |

R Kumar
Sampurna Lal Kitab · LALKITAB ASTROLOGY RESEARCH CENTER
Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad



## लग्न कुंडली

डी1 · लग्न आधारित

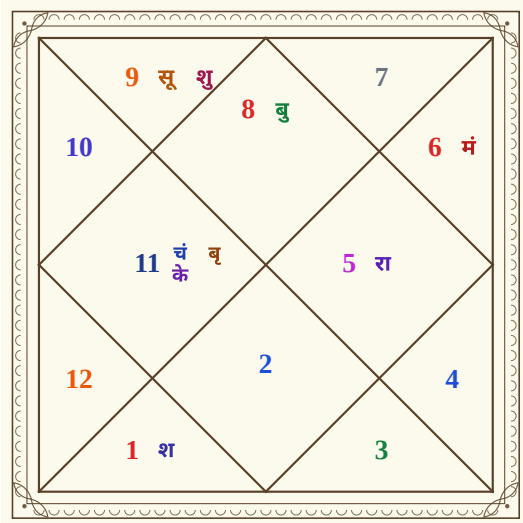


## लाल किताब कुंडली

सूर्य आधारित भाव

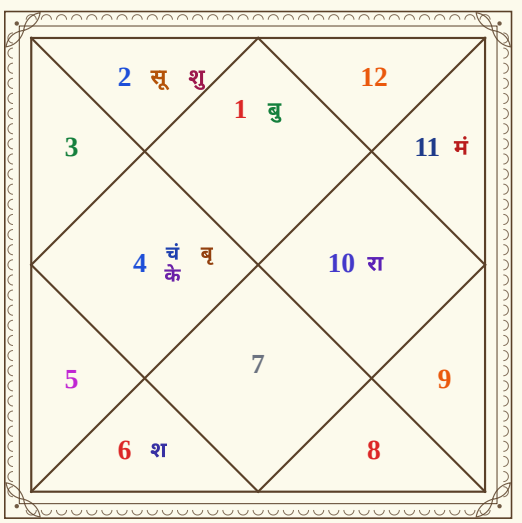


## चंद्र कुंडली

चंद्र आधारित कुंडली

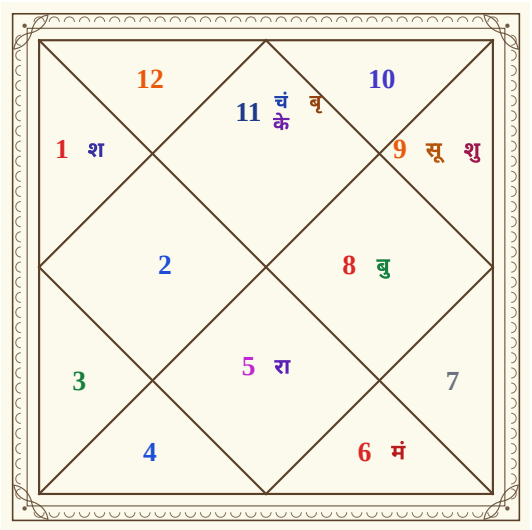


**संकेताक्षर:** सू=सूर्य चं=चंद्र मं=मंगल बु=बुध बृ=बृहस्पति शु=शुक्र श=शनि रा=राहु के=केतु **★=केंद्र भाव (1,4,7,10)**

## चार्ट नोट

| | |
|---|---|
| **लग्न कुंडली (D1)** | लग्न आधारित पारंपरिक जन्म कुंडली। समस्त जीवन-घटनाओं, व्यक्तित्व और भाग्य के लिए प्रमुख कुंडली। |
| **लाल किताब कुंडली** | लाल किताब पद्धति भाव सूर्य राशि से गिने जाते हैं (लग्न से नहीं)। उपाय-ज्योतिष हेतु लाल किताब की विशिष्ट प्रणाली। |
| **चंद्र कुंडली** | चंद्र आधारित कुंडली। भाव चंद्र राशि से गिने जाते हैं। मन, भावनाओं और माता के प्रभाव के विश्लेषण हेतु। |

R Kumar
Sampurna Lal Kitab · LALKITAB ASTROLOGY RESEARCH CENTER
Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## ज्योतिष कुंडलियाँ · भाग 2 सूर्य · नवांश · वर्षफल

### सूर्य कुंडली

सूर्य आधारित कुंडली

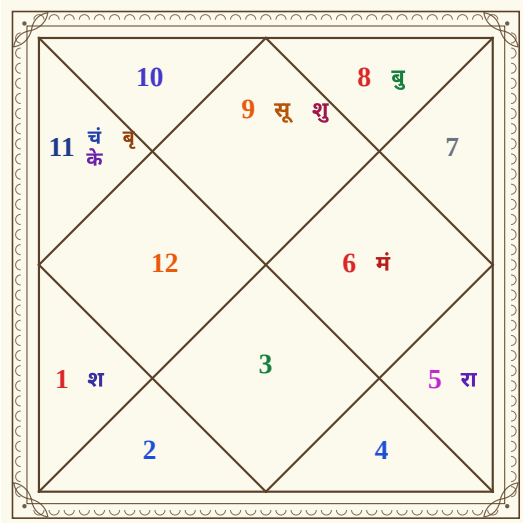


### नवांश कुंडली (D9)

डी9 · आत्मा एवं विवाह

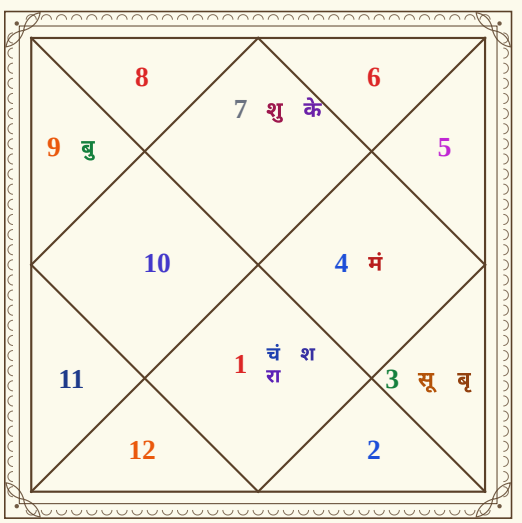


### वर्षफल कुंडली

लाल किताब वार्षिक प्रगतिशील

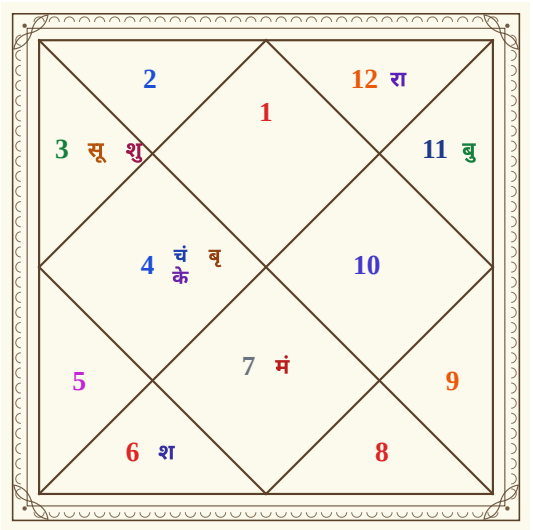


**संकेताक्षर:** सू=सूर्य चं=चंद्र मं=मंगल बु=बुध बृ=बृहस्पति शु=शुक्र श=शनि रा=राहु के=केतु **★=केंद्र भाव (1,4,7,10)**

## चार्ट नोट

| | |
|---|---|
| **सूर्य कुंडली** | सूर्य आधारित कुंडली। भाव सूर्य राशि से गिने जाते हैं। करियर-अधिकार, पिता के प्रभाव और सरकारी परिणामों को दर्शाती है। |
| **नवांश कुंडली (D9)** | विभाजन कुंडली (नवांश)। विवाह, धर्म, आत्म-उद्देश्य और ग्रहों के छुपे बल (ग्रह का वास्तविक स्वभाव) हेतु। |
| **वर्षफल कुंडली** | लाल किताब वार्षिक प्रगतिशील कुंडली। लाल किताब के वार्षिक गोचर-नियमों से ग्रह हर वर्ष नए भावों में जाते हैं। वर्तमान वर्ष के ग्रह-प्रभाव को दर्शाती है। |

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## भाव विश्लेषण सभी 12 भाव

| H | राशि | मालिक | पक्का घर | ग्रह |
|---|---|---|---|---|
| 1★ | मेष | मंगल | सूर्य | बुध |
| 2 | वृषभ | शुक्र | बृहस्पति | सूर्य, शुक्र |
| 3 | मिथुन | बुध | मंगल | रिक्त |
| 4★ | कर्क | चंद्र | चंद्र | चंद्र, बृहस्पति, केतु |
| 5 | सिंह | सूर्य | बृहस्पति | रिक्त |
| 6 | कन्या | बुध | केतु | शनि |
| 7★ | तुला | शुक्र | शुक्र | रिक्त |
| 8 | वृश्चिक | मंगल | शनि | रिक्त |
| 9 | धनु | बृहस्पति | बृहस्पति | रिक्त |
| 10★ | मकर | शनि | शनि | राहु |
| 11 | कुंभ | शनि | बृहस्पति | मंगल |
| 12 | मीन | बृहस्पति | राहु | रिक्त |

## ग्रह मैत्री चक्र Friends Table

| ग्रह | मित्र | शत्रु | सम |
|---|---|---|---|
| सूर्य | चंद्र, मंगल, बृहस्पति | शुक्र, शनि, राहु, केतु | बुध |
| चंद्र | सूर्य, बुध | राहु, केतु | मंगल, बृहस्पति, शुक्र, शनि |
| मंगल | सूर्य, चंद्र, बृहस्पति | बुध, केतु | शुक्र, शनि, राहु |
| बुध | सूर्य, शुक्र, राहु | चंद्र | मंगल, बृहस्पति, शनि, केतु |
| बृहस्पति | सूर्य, चंद्र, मंगल | बुध, शुक्र, राहु | शनि, केतु |
| शुक्र | बुध, शनि, केतु | सूर्य, चंद्र, राहु | मंगल, बृहस्पति |
| शनि | बुध, शुक्र, राहु | सूर्य, चंद्र, मंगल | बृहस्पति, केतु |
| राहु | बुध, शनि, केतु | सूर्य, चंद्र, मंगल, शुक्र | बृहस्पति |
| केतु | शुक्र, राहु | सूर्य, चंद्र, मंगल | बुध, बृहस्पति, शनि |

**विशेष टिप्पणी:**

- सूर्य - राहु पूर्ण ग्रहण देगा और केतु मध्यम ग्रहण देगा
- चंद्र - केतु पूर्ण ग्रहण देगा और राहु मध्यम ग्रहण देगा
- मंगल - राहु मंगल के साथ चुप (मौन) रहता है
- राहु - सूर्य को ग्रहण और चंद्र को मध्यम ग्रहण देगा
- केतु - चंद्र को ग्रहण और सूर्य को मध्यम ग्रहण देगा

## कुंडली प्रकार Horoscope Type Analysis

### अंधा कुंडली Blind Horoscope

अंधी कुंडली तब बनती है जब **2 या अधिक परस्पर शत्रु ग्रह भाव 10** (कर्म/क्रिया भाव) में एक साथ बैठें। यह कुंडली के करियर और सार्वजनिक जीवन की ऊर्जा को अंधा कर देती है।

**✓ अंधी कुंडली नहीं भाव 10 शत्रु-कलह से मुक्त**

भाव 10 में 2+ परस्पर शत्रु ग्रह नहीं हैं। कर्म/करियर भाव अंधता-दोष से मुक्त है।

### रथांध Adhiandhi (Half-Blind)

रतौंधी एक आंशिक अंधता है जो तब बनती है जब **सूर्य चौथे भाव में और शनि सातवें भाव में** हो। सातवें भाव से शनि की दृष्टि सूर्य के भाव पर प्रतिकूल ऊर्जा डालती है।

**✓ रतौंधी नहीं सूर्य और शनि भाव 4/7 के आमने-सामने नहीं**

सूर्य भाव 4 + शनि भाव 7 का योग अनुपस्थित है। कुंडली रतौंधी (अर्ध-अंध) दोष से मुक्त है।

### धर्मी कुंडली Righteous Horoscope

धर्मी कुंडली: **शनि और बृहस्पति किसी भी भाव में एक साथ बैठें**। बृहस्पति के सान्निध्य में शनि का कठोर स्वभाव कोमल हो जाता है कुंडली को धर्म का संरक्षण मिलता है।

**✗ धर्मी कुंडली नहीं शनि और बृहस्पति भिन्न भावों में हैं**

धर्मी कुंडली केवल तभी बनती है जब शनि और बृहस्पति एक ही भाव में (युति में) हों। वर्तमान में वे भिन्न भावों में हैं विशिष्ट धर्मी योग सक्रिय नहीं है।

## जीवन क्षेत्र

| जीवन क्षेत्र | अंक | मापक | स्तर |
|---|---|---|---|
| करियर | 34/100 | | चुनौतीपूर्ण |
| व्यवसाय | 73/100 | | अनुकूल |
| विवाह | 69/100 | | अनुकूल |
| प्रेम जीवन | 67/100 | | अनुकूल |
| शिक्षा | 73/100 | | अनुकूल |
| वित्त | 69/100 | | अनुकूल |
| स्वास्थ्य | 39/100 | | चुनौतीपूर्ण |
| आध्यात्मिकता | 62/100 | | मिश्रित |

## दशा समय रेखा

| ग्रह | आयु सीमा | भाव | सक्रिय |
|---|---|---|---|
| शुक्र | आयु 0-25 | H2 | |
| सूर्य | आयु 22-45 | H2 | ★ NOW |
| मंगल | आयु 28-47 | H11 | ★ NOW |
| चंद्र | आयु 24-50 | H4 | ★ NOW |
| बृहस्पति | आयु 16-55 | H4 | ★ NOW |
| शनि | आयु 36-68 | H6 | |
| बुध | आयु 32-60 | H1 | |
| राहु | आयु 42-60 | H10 | |
| केतु | आयु 48-100 | H4 | |

## शुभ मुहूर्त विवरण

| मापदंड | मान |
|---|---|
| शुभ दिन | गुरुवार |
| शुभ रंग | पीला/सोना |
| शुभ धातु | सोना |
| शुभ दिशा | उत्तर-पूर्व |
| शुभ अंक | 5, 9, 3 |
| सावधानी का दिन | शनिवार |
| टालने योग्य रंग | नीला/काला |

## ग्रह राशि फल

| ग्रह | शुभ प्रभाव | चुनौतियाँ | उपाय |
|---|---|---|---|
| **सूर्य**<br>सूर्य · H2 | पारिवारिक धन में उतार-चढ़ाव। नेत्र-कष्ट संभव। सदा सत्य बोलें। | सूर्य पक्का घर (भाव 1) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ प्रतिदिन सूर्योदय के समय गुड़ मिला जल सूर्य को अर्पित करें।<br>◆ जेब में ताँबे का ठोस चौकोर टुकड़ा रखें।<br>◆ रविवार को गेहूँ, गुड़ और लाल कपड़ा दान करें। |
| **चंद्र**<br>चंद्र · H4 | सुखी गृहस्थ जीवन। संपत्ति-लाभ। माता का पूर्ण सहयोग। | न्यूनतम नकारात्मक प्रभाव - ग्रह अपने पक्का घर में है। | ◆ हमेशा अपने पास चाँदी का चौकोर टुकड़ा या सिक्का रखें।<br>◆ सोमवार को सफ़ेद चावल, दूध और सफ़ेद कपड़ा दान करें।<br>◆ रात को बिस्तर के पास ताज़ा पानी रखें और सुबह किसी पौधे पर डाल दें। |
| **मंगल**<br>मंगल · H11 | संपत्ति और भाइयों से आय। परिश्रम से समस्त इच्छाओं की पूर्ति। | मंगल पक्का घर (भाव 3) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ।<br>◆ जेब में लाल रूमाल रखें।<br>◆ मंगलवार को मसूर दाल (लाल) दान करें। |
| **बुध**<br>बुध · H1 | बुद्धिमान, विनोदी, अच्छा वक्ता। व्यापारिक बुद्धि। युवा दिखने वाला। | बुध पक्का घर (भाव 7) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ पक्षियों को, विशेष रूप से तोतों को, हरी मूँग दाल खिलाएँ।<br>◆ जेब में हरा कपड़ा रखें या हरे रंग के कपड़े पहनें।<br>◆ बुधवार को हरी सब्जियाँ दान करें। |
| **बृहस्पति**<br>बृहस्पति · H4 | सुखी गृहस्थ जीवन। संपत्ति-लाभ। माता आध्यात्मिक। वाहन और सुख। | बृहस्पति पक्का घर (भाव 2) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ प्रतिदिन माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएँ।<br>◆ गायों या गरीबों को पीली चीज़ें (केले, पीली मिठाई) खिलाएँ।<br>◆ गुरुवार को पीला कपड़ा, हल्दी और चना दाल दान करें। |
| **शुक्र**<br>शुक्र · H2 | स्त्री या कला से पारिवारिक धन। सुंदर वाणी। उत्तम भोजन और आभूषण से प्रेम। | शुक्र पक्का घर (भाव 7) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ शुक्रवार को सफ़ेद चावल, दही और सफ़ेद कपड़े दान करें।<br>◆ अपने पास चाँदी या हीरे का छोटा टुकड़ा रखें।<br>◆ सफ़ेद गाय को हरा चारा खिलाएँ। |
| **शनि**<br>शनि · H6 | धैर्य से शत्रुओं पर विजय। सेवा-क्षेत्र। पुराने रोगों का प्रबंधन। | शनि पक्का घर (भाव 8) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ शनिवार को काले तिल, लोहे की वस्तुएँ और सरसों का तेल दान करें।<br>◆ कौओं और काले कुत्तों को नियमित खाना खिलाएँ।<br>◆ तकिए के नीचे लोहे का चौकोर टुकड़ा रखें। |
| **राहु**<br>राहु · H10 | राजनीति, तकनीक, विदेश-व्यापार में करियर। पद में आकस्मिक वृद्धि। मीडिया में सफलता। | राहु पक्का घर (भाव 12) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ तकिए के नीचे काले कपड़े में लिपटा चाँदी का टुकड़ा या कोयला रखें।<br>◆ शनिवार को मूली, कंबल और तिल दान करें।<br>◆ पक्षियों को (विशेषकर गौरैया को) मिश्रित अनाज खिलाएँ। |

| ग्रह | शुभ प्रभाव | चुनौतियाँ | उपाय |
|---|---|---|---|
| **केतु** केतु · H4 | घर से विरक्ति। संपत्ति-समस्याएँ। माता आध्यात्मिक। गृह-त्याग से मोक्ष। | केतु पक्का घर (भाव 6) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव। | ◆ आवारा कुत्तों को नियमित रोटी और दूध खिलाएँ।<br>◆ किसी गरीब को काले-सफ़ेद डिज़ाइन का कंबल दान करें।<br>◆ दो रंग का (काला-सफ़ेद) पत्थर अपने पास रखें। |

## ग्रह के अनुसार शुभ विवरण

| ग्रह | शुभ दिन | शुभ रंग | शुभ धातु | दिशा | नक्षत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | रविवार | केसरिया/नारंगी | सोना/ताँबा | पूर्व | मूल |
| चंद्र | सोमवार | सफ़ेद/चाँदी | चाँदी | उत्तर-पश्चिम | पूर्वाभाद्रपद |
| मंगल | मंगलवार | लाल | ताँबा/लाल मूँगा | दक्षिण | हस्त |
| बुध | बुधवार | हरा | काँसा/पीतल | उत्तर | ज्येष्ठा |
| बृहस्पति | गुरुवार | पीला/सोना | सोना | उत्तर-पूर्व | पूर्वाभाद्रपद |
| शुक्र | शुक्रवार | सफ़ेद/क्रीम | चाँदी/प्लेटिनम | दक्षिण-पूर्व | पूर्वाषाढ़ा |
| शनि | शनिवार | नीला/काला | लोहा/इस्पात | पश्चिम | अश्विनी |
| राहु | शनिवार | धूसर/धुआँ | सीसा/ग्रेफाइट | दक्षिण-पश्चिम | मघा |
| केतु | मंगलवार | भूरा/बहुरंगी | मिश्र धातु | उत्तर-पश्चिम | धनिष्ठा |

## ऋण विश्लेषण 1: पितृ ऋण (पूर्वजों का ऋण)

⚠ **सक्रिय यह कर्म-ऋण कुंडली में विद्यमान है और उपाय माँगता है**
1 ग्रह कारक भावों में मिले · शीघ्र उपाय करें

**ट्रिगर ग्रह**
शुक्र | बुध | राहु
इनमें से कोई भी एक ग्रह कारक भाव में हो तो यह ऋण सक्रिय हो जाता है

**ट्रिगर भाव**
H2 | H5 | H9 | H11 | H12
इनमें से किसी भी भाव में स्थिति ऋण को जगा देती है

**आपकी कुंडली में**
शुक्र H2
ये ग्रह कारक भावों में स्थित हैं

**पूर्वजों का कारण**
*पूर्वजों ने परिवार के पुजारी को बदला होगा।*

**विवरण**

जब शुक्र, बुध या राहु में से कोई भी एक दूसरे, पाँचवें, नौवें, ग्यारहवें या बारहवें भाव में हो तो जातक पितृ ऋण से पीड़ित हो सकता है।

**संकेत**

पड़ोस में मंदिर या पीपल के पेड़ का विनाश।

**जीवन पर प्रभाव**

- पितृ दोष
- मंदिर या पीपल वृक्ष का विनाश
- परिवार के पुजारी की समस्याएँ
- भाग्य में बाधा।

**निवारण उपाय REMEDIES**

1. सभी खून के रिश्तेदारों से एक-एक रुपया इकट्ठा करें और उसी दिन मंदिर में दान करें।
2. यदि घर में पीपल का पेड़ है तो नियमित उसे जल और सेवा प्रदान करें।

## ऋण विश्लेषण 2: स्त्री ऋण (स्त्री का ऋण)

**सक्रिय यह कर्म-ऋण कुंडली में विद्यमान है और उपाय माँगता है**

1 ग्रह कारक भावों में मिले · शीघ्र उपाय करें

**ट्रिगर ग्रह**

सूर्य | चंद्र | राहु

इनमें से कोई भी एक ग्रह कारक भाव में हो तो यह ऋण सक्रिय हो जाता है

**ट्रिगर भाव**

H2 | H7

इनमें से किसी भी भाव में स्थिति ऋण को जगा देती है

**आपकी कुंडली में**

सूर्य H2

ये ग्रह कारक भावों में स्थित हैं

**पूर्वजों का कारण**

*पूर्वजों ने लालच में किसी गर्भवती स्त्री की हत्या की होगी।*

**विवरण**

जब सूर्य, चंद्र या राहु में से कोई भी एक दूसरे या सातवें भाव में हो तो जातक स्त्री ऋण से पीड़ित हो सकता है।

**संकेत**

घर में दाँत वाले पशु होंगे विशेषकर गाय, या कुल-वैर की भावना।

**जीवन पर प्रभाव**

- वैवाहिक कठिनाइयाँ
- कुल-वैर
- परिवार की स्त्रियों को हानि
- घर में दाँत वाले पशु।

**निवारण उपाय REMEDIES**

1. सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर धन लेकर उसी दिन 100 गायों को स्वादिष्ट भोजन कराएँ।

## ऋण विश्लेषण 3: मातृ ऋण (माँ का ऋण)

**सक्रिय यह कर्म-ऋण कुंडली में विद्यमान है और उपाय माँगता है**
1 ग्रह कारक भावों में मिले · शीघ्र उपाय करें

**ट्रिगर ग्रह**
केतु
इनमें से कोई भी एक ग्रह कारक भाव में हो तो यह ऋण सक्रिय हो जाता है

**ट्रिगर भाव**
H4
इनमें से किसी भी भाव में स्थिति ऋण को जगा देती है

**आपकी कुंडली में**
केतु H4
ये ग्रह कारक भावों में स्थित हैं

**पूर्वजों का कारण**
*पूर्वजों ने माँ की उपेक्षा की होगी या जन्म के बाद बच्चे से दूर किया होगा।*

**विवरण**
जब केतु चौथे भाव में हो तो जातक मातृ ऋण से पीड़ित हो सकता है।

**संकेत**
पड़ोसी कुएँ या नदी का उपयोग गंदगी के लिए हो रहा हो।

**जीवन पर प्रभाव**
- मातृ-पक्ष की उपेक्षा
- घर के पास जल स्रोतों का दुरुपयोग
- घरेलू अशांति।

**निवारण उपाय REMEDIES**
1. सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर चाँदी लेकर उसी दिन नदी में प्रवाहित करें।

## बंधु ऋण (भाई

**सक्रिय यह कर्म-ऋण कुंडली में विद्यमान है और उपाय माँगता है**
1 ग्रह कारक भावों में मिले · शीघ्र उपाय करें

**ट्रिगर ग्रह**
बुध केतु
इनमें से कोई भी एक ग्रह कारक भाव में हो तो यह ऋण सक्रिय हो जाता है

**ट्रिगर भाव**
H1 H8
इनमें से किसी भी भाव में स्थिति ऋण को जगा देती है

**आपकी कुंडली में**
बुध H1
ये ग्रह कारक भावों में स्थित हैं

**पूर्वजों का कारण**
*किसी पूर्वज ने किसी की पकी फ़सल या घर में आग लगाई होगी, ज़हर दिया होगा या गर्भवती भैंस को मारा होगा।*

**विवरण**

जब बुध या केतु में से कोई भी एक पहले या आठवें भाव में हो तो जातक भाई/बंधु ऋण से पीड़ित हो सकता है।

**संकेत**

रिश्तेदारों से मिलने से नफ़रत, बच्चों के जन्मदिन, त्योहारों पर परिवार से दूरी।

**जीवन पर प्रभाव**

- रिश्तेदारों से अलगाव
- पारिवारिक उत्सवों से परहेज़
- संपत्ति और क़ानूनी विवाद।

**निवारण उपाय REMEDIES**

1. सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर धन इकट्ठा करके किसी हकीम या डॉक्टर को दें ताकि वे दूसरों की मदद करें।
2. सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर धन इकट्ठा करके दवाइयाँ खरीदकर किसी धर्मार्थ संस्था को दान करें।

## ऋण विश्लेषण 5: अत्याचार ऋण (अत्याचारी का ऋण)

⚠ **सक्रिय यह कर्म-ऋण कुंडली में विद्यमान है और उपाय माँगता है**

1 ग्रह कारक भावों में मिले · शीघ्र उपाय करें

**ट्रिगर ग्रह**

सूर्य | चंद्र | मंगल

इनमें से कोई भी एक ग्रह कारक भाव में हो तो यह ऋण सक्रिय हो जाता है

**ट्रिगर भाव**

H10 | H11

इनमें से किसी भी भाव में स्थिति ऋण को जगा देती है

**आपकी कुंडली में**

मंगल H11

ये ग्रह कारक भावों में स्थित हैं

**पूर्वजों का कारण**

*पूर्वजों ने धोखे से किसी का घर छीना और कोई मुआवजा नहीं दिया।*

**विवरण**

जब सूर्य, चंद्र या मंगल में से कोई भी एक दसवें या ग्यारहवें भाव में हो तो जातक अत्याचार ऋण से पीड़ित हो सकता है।

**संकेत**

घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में हो, या बिना पुत्र वाले से ज़मीन ली गई हो।

**जीवन पर प्रभाव**

- अन्याय का कर्मिक दंड
- दक्षिण मुखी द्वार
- करियर और प्रतिष्ठा में बाधाएँ।

### निवारण उपाय REMEDIES

1. 100 अलग-अलग स्थानों की मछलियाँ खिलाएँ या 100 मज़दूरों को भोजन कराएँ।

## Sun (सूर्य) Lal Kitab Graha Phal

**सूर्य**
सूर्य

| | |
|---|---|
| भाव | H2 वृषभ |
| अंश | 9.1° |
| नक्षत्र | मूल |
| बल | **35/100 कमज़ोर** |
| शुभ दिन | रविवार |
| शुभ रंग | केसरिया/नारंगी |
| शुभ धातु | सोना/ताँबा |
| दिशा | पूर्व |

बल **35/100**

### शुभ प्रभाव

पारिवारिक धन में उतार-चढ़ाव। नेत्र-कष्ट संभव। सदा सत्य बोलें।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

सूर्य पक्का घर (भाव 1) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. प्रतिदिन सूर्योदय के समय गुड़ मिला जल सूर्य को अर्पित करें।
2. जेब में ताँबे का ठोस चौकोर टुकड़ा रखें।
3. रविवार को गेहूँ, गुड़ और लाल कपड़ा दान करें।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## Moon (चंद्र) Lal Kitab Graha Phal

**चंद्र**

चंद्र

पक्का घर

| | |
|---|---|
| **भाव** | H4 कर्क |
| **अंश** | 20.5° |
| **नक्षत्र** | पूर्वाभाद्रपद |
| **बल** | **83/100 शक्तिशाली** |
| **शुभ दिन** | सोमवार |
| **शुभ रंग** | सफ़ेद/चाँदी |
| **शुभ धातु** | चाँदी |
| **दिशा** | उत्तर-पश्चिम |

**बल** 83/100

### शुभ प्रभाव

सुखी गृहस्थ जीवन। संपत्ति-लाभ। माता का पूर्ण सहयोग।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

न्यूनतम नकारात्मक प्रभाव - ग्रह अपने पक्का घर में है।

### लाल किताब उपाय

1. हमेशा अपने पास चाँदी का चौकोर टुकड़ा या सिक्का रखें।
2. सोमवार को सफ़ेद चावल, दूध और सफ़ेद कपड़ा दान करें।
3. रात को बिस्तर के पास ताज़ा पानी रखें और सुबह किसी पौधे पर डाल दें।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## Mars (मंगल) Lal Kitab Graha Phal

**मंगल**

मंगल

Soya

| | |
|---|---|
| भाव | H11 कुंभ |
| अंश | 21° |
| नक्षत्र | हस्त |
| बल | **42/100 मध्यम** |
| शुभ दिन | मंगलवार |
| शुभ रंग | लाल |
| शुभ धातु | ताँबा/लाल मूँगा |
| दिशा | दक्षिण |

बल 42/100

### शुभ प्रभाव

संपत्ति और भाइयों से आय। परिश्रम से समस्त इच्छाओं की पूर्ति।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

मंगल पक्का घर (भाव 3) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ।
2. जेब में लाल रूमाल रखें।
3. मंगलवार को मसूर दाल (लाल) दान करें।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## Mercury (बुध) Lal Kitab Graha Phal

**बुध**
बुध
Soya

| | |
|---|---|
| भाव | H1 मेष |
| अंश | 18.1° |
| नक्षत्र | ज्येष्ठा |
| बल | **58/100 मध्यम** |
| शुभ दिन | बुधवार |
| शुभ रंग | हरा |
| शुभ धातु | काँसा/पीतल |
| दिशा | उत्तर |

बल 58/100

### शुभ प्रभाव

बुद्धिमान, विनोदी, अच्छा वक्ता। व्यापारिक बुद्धि। युवा दिखने वाला।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

बुध पक्का घर (भाव 7) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. पक्षियों को, विशेष रूप से तोतों को, हरी मूँग दाल खिलाएँ।
2. जेब में हरा कपड़ा रखें या हरे रंग के कपड़े पहनें।
3. बुधवार को हरी सब्जियाँ दान करें।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## Jupiter (बृहस्पति) Lal Kitab Graha Phal

# बृहस्पति

बृहस्पति

Uchcha ↑

| | |
|---|---|
| **भाव** | H4 कर्क |
| **अंश** | 27.1° |
| **नक्षत्र** | पूर्वाभाद्रपद |
| **बल** | **88/100 शक्तिशाली** |
| **शुभ दिन** | गुरुवार |
| **शुभ रंग** | पीला/सोना |
| **शुभ धातु** | सोना |
| **दिशा** | उत्तर-पूर्व |

**बल** 88/100

### शुभ प्रभाव

सुखी गृहस्थ जीवन। संपत्ति-लाभ। माता आध्यात्मिक। वाहन और सुख।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

बृहस्पति पक्का घर (भाव 2) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. प्रतिदिन माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएँ।
2. गायों या गरीबों को पीली चीज़ें (केले, पीली मिठाई) खिलाएँ।
3. गुरुवार को पीला कपड़ा, हल्दी और चना दाल दान करें।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## Venus (शुक्र) Lal Kitab Graha Phal

**शुक्र**
शुक्र

| | |
|---|---|
| **भाव** | H2 वृषभ |
| **अंश** | 22.7° |
| **नक्षत्र** | पूर्वाषाढ़ा |
| **बल** | **50/100 मध्यम** |
| **शुभ दिन** | शुक्रवार |
| **शुभ रंग** | सफ़ेद/क्रीम |
| **शुभ धातु** | चाँदी/प्लेटिनम |
| **दिशा** | दक्षिण-पूर्व |

**बल** 50/100

### शुभ प्रभाव

स्त्री या कला से पारिवारिक धन। सुंदर वाणी। उत्तम भोजन और आभूषण से प्रेम।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

शुक्र पक्का घर (भाव 7) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. शुक्रवार को सफ़ेद चावल, दही और सफ़ेद कपड़े दान करें।
2. अपने पास चाँदी या हीरे का छोटा टुकड़ा रखें।
3. सफ़ेद गाय को हरा चारा खिलाएँ।

## Saturn (शनि) Lal Kitab Graha Phal

**शनि**

शनि

वक्री (R)

| | |
|---|---|
| भाव | H6 कन्या |
| अंश | 2.9° |
| नक्षत्र | अश्विनी |
| बल | 32/100 कमज़ोर |
| शुभ दिन | शनिवार |
| शुभ रंग | नीला/काला |
| शुभ धातु | लोहा/इस्पात |
| दिशा | पश्चिम |

बल 32/100

### शुभ प्रभाव

धैर्य से शत्रुओं पर विजय। सेवा-क्षेत्र। पुराने रोगों का प्रबंधन।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

शनि पक्का घर (भाव 8) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. शनिवार को काले तिल, लोहे की वस्तुएँ और सरसों का तेल दान करें।
2. कौओं और काले कुत्तों को नियमित खाना खिलाएँ।
3. तकिए के नीचे लोहे का चौकोर टुकड़ा रखें।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## Rahu (राहु) Lal Kitab Graha Phal

**राहु**
राहु
Soya

| | |
|---|---|
| **भाव** | H10 मकर |
| **अंश** | 0.9° |
| **नक्षत्र** | मघा |
| **बल** | **68/100 मध्यम** |
| **शुभ दिन** | शनिवार |
| **शुभ रंग** | धूसर/धुआँ |
| **शुभ धातु** | सीसा/ग्रेफाइट |
| **दिशा** | दक्षिण-पश्चिम |

**बल** 68/100

### शुभ प्रभाव

राजनीति, तकनीक, विदेश-व्यापार में करियर। पद में आकस्मिक वृद्धि। मीडिया में सफलता।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

राहु पक्का घर (भाव 12) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. तकिए के नीचे काले कपड़े में लिपटा चाँदी का टुकड़ा या कोयला रखें।
2. शनिवार को मूली, कंबल और तिल दान करें।
3. पक्षियों को (विशेषकर गौरैया को) मिश्रित अनाज खिलाएँ।

## Ketu (केतु) Lal Kitab Graha Phal

**केतु**

केतु

Dharmi

| | |
|---|---|
| **भाव** | H4 कर्क |
| **अंश** | 0.9° |
| **नक्षत्र** | धनिष्ठा |
| **बल** | **35/100 कमज़ोर** |
| **शुभ दिन** | मंगलवार |
| **शुभ रंग** | भूरा/बहुरंगी |
| **शुभ धातु** | मिश्र धातु |
| **दिशा** | उत्तर-पश्चिम |

**बल** 35/100

### शुभ प्रभाव

घर से विरक्ति। संपत्ति-समस्याएँ। माता आध्यात्मिक। गृह-त्याग से मोक्ष।

### प्रतिबंध एवं सावधानियाँ

केतु पक्का घर (भाव 6) से दूर है। कुछ चुनौतियाँ संभव।

### लाल किताब उपाय

1. आवारा कुत्तों को नियमित रोटी और दूध खिलाएँ।
2. किसी गरीब को काले-सफ़ेद डिज़ाइन का कंबल दान करें।
3. दो रंग का (काला-सफ़ेद) पत्थर अपने पास रखें।

## 1. जन्म विवरण (Janam Vivaran)

लाल किताब में कुंडली सूर्य राशि को प्रथम भाव मानकर बनाई जाती है, वैदिक ज्योतिष की तरह लग्न (ascendant) से नहीं। आपका लाल किताब लग्न धनु (Sagittarius) है, जो आपकी संपूर्ण लाल किताब कुंडली का आधार है। वैदिक लग्न वृश्चिक है जो 221.52° पर है। आपका जन्म नक्षत्र पूर्वा भाद्रपद (Purva Bhadrapada) है, जिसके देवता Aja Ekapada हैं। जन्म समय का ग्रह: गुरु - जन्म के समय सक्रिय ग्रह होरा (04:00-06:00)। जन्म दिन का ग्रह: शुक्र - आपके जन्म के वार का स्वामी ग्रह (Friday)।

| | |
|---|---|
| **नाम** | R Kumar |
| **लाल किताब लग्न** | धनु (Sagittarius) |
| **वैदिक लग्न** | वृश्चिक (221.52°) |
| **जन्म नक्षत्र** | पूर्वा भाद्रपद (Purva Bhadrapada) |
| **नक्षत्र देवता** | Aja Ekapada |
| **नक्षत्र गण** | Manushya |
| **जन्म समय का ग्रह** | गुरु (Jupiter) - होरा: 04:00-06:00 |
| **जन्म दिन का ग्रह** | शुक्र (Venus) - Friday |

## 2. जन्म होरा और समय ग्रह (Janam Hora)

जन्म समय का ग्रह (गुरु) वह ग्रह है जो आपके जन्म के समय की होरा का स्वामी था। लाल किताब के अनुसार इस ग्रह का सीधे उपाय नहीं किया जाता इसके बदले मसनुई ग्रह (सूर्य/शुक्र) के उपाय करने से फल मिलता है। जन्म दिन का ग्रह (शुक्र) आपके जन्म के वार का स्वामी है। इस ग्रह का सीधा उपाय किया जा सकता है और करना चाहिए। लाल किताब होरा प्रणाली (निश्चित समय-स्लॉट): • गुरु: 06:00-08:00 • सूर्य: 08:00-10:00 • चंद्र: 10:00-11:00 • बुध: 11:00-13:00 • मंगल: 13:00-15:00 • शुक्र: 15:00-17:00 • राहु: 17:00-19:00 • शनि: 19:00-04:00 • केतु: 04:00-06:00

| | |
|---|---|
| **जन्म समय का ग्रह (होरा)** | गुरु (Jupiter) 04:00-06:00 |
| **जन्म दिन का ग्रह** | शुक्र (Venus) Friday |
| **मसनुई ग्रह (विकल्प उपाय)** | सूर्य / शुक्र |

**उपाय :**

1. जन्म समय ग्रह (गुरु) का सीधा उपाय न करें।
2. मसनुई ग्रह (सूर्य/शुक्र) के उपाय करें:
3. [मसनुई] प्रतिदिन सूर्योदय के समय गुड़ मिला जल सूर्य को अर्पित करें।

## 3. ग्रह स्थिति (Grah Sthiti)

नीचे लाल किताब नियमों पर आधारित संपूर्ण ग्रह स्थिति विश्लेषण है: सूर्य (Sun) वृषभ (लाल किताब भाव 2) में 9.1° पर है। पारिवारिक धन में उतार-चढ़ाव। नेत्र-कष्ट संभव। सदा सत्य बोलें। चंद्र (Moon) कर्क (लाल किताब भाव 4) में 20.5° पर है। पक्का घर (अपना स्थायी घर)। सुखी गृहस्थ जीवन। संपत्ति-लाभ। माता का पूर्ण सहयोग। मंगल (Mars) कुंभ (लाल किताब भाव 11) में 21.0° पर है। संपत्ति और भाइयों से आय। परिश्रम से समस्त इच्छाओं की पूर्ति। बुध (Mercury) मेष (लाल किताब भाव 1) में 18.1° पर है। बुद्धिमान, विनोदी, अच्छा वक्ता। व्यापारिक बुद्धि। युवा दिखने वाला। बृहस्पति (Jupiter) कर्क (लाल किताब भाव 4) में 27.1° पर है। उच्च। सुखी गृहस्थ जीवन। संपत्ति-लाभ। माता आध्यात्मिक। वाहन और सुख। शुक्र (Venus) वृषभ (लाल

| | |
|---|---|
| **Sun (सूर्य)** | वृषभ H2 9.1° |
| **Moon (चंद्र)** | कर्क H4 20.5° पक्का घर |
| **Mars (मंगल)** | कुंभ H11 21.0° |
| **Mercury (बुध)** | मेष H1 18.1° |
| **Jupiter (बृहस्पति)** | कर्क H4 27.1° उच्च |
| **Venus (शुक्र)** | वृषभ H2 22.7° |
| **Saturn (शनि)** | कन्या H6 2.9° (R) |
| **Rahu (राहु)** | मकर H10 0.9° |
| **Ketu (केतु)** | कर्क H4 0.9° |

## 4. 12 भाव विवरण (Bhav Vivaran)

लाल किताब कुंडली को 12 भावों में विभाजित करती है, प्रत्येक भाव का एक स्थायी स्वामी ग्रह (पक्का घर) और एक भाग्य जगाने वाला ग्रह (किस्मत जगाने वाला) होता है। भाव में ग्रहों की उपस्थिति उसके परिणामों को काफी प्रभावित करती है। भाव 1 मेष | स्वामी: मंगल | पक्का घर: सूर्य | किस्मत जगाने वाला: सूर्य | ग्रह: बुध | महत्व: स्वयं, व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, रूप. भाव 2 वृषभ | स्वामी: शुक्र | पक्का घर: बृहस्पति | किस्मत जगाने वाला: बृहस्पति | ग्रह: सूर्य, शुक्र | महत्व: धन, परिवार, वाणी, खान-पान. भाव 3 मिथुन | स्वामी: बुध | पक्का घर: मंगल | किस्मत जगाने वाला: मंगल | ग्रह: कोई नहीं | महत्व: भाई-बहन, साहस, संचार, छोटी यात्राएँ. भाव 4 कर्क | स्वामी: चंद्र | पक्का घर: चंद्र | किस्मत जगाने वाला: चंद्र | ग्

| | |
|---|---|
| **भाव 1 (मेष)** | बुध |
| **भाव 2 (वृषभ)** | सूर्य, शुक्र |
| **भाव 3 (मिथुन)** | खाली |
| **भाव 4 (कर्क)** | चंद्र, बृहस्पति, केतु |
| **भाव 5 (सिंह)** | खाली |
| **भाव 6 (कन्या)** | शनि |
| **भाव 7 (तुला)** | खाली |
| **भाव 8 (वृश्चिक)** | खाली |
| **भाव 9 (धनु)** | खाली |
| **भाव 10 (मकर)** | राहु |
| **भाव 11 (कुंभ)** | मंगल |
| **भाव 12 (मीन)** | खाली |

## 5. ग्रह मित्रता (Grah Maitri)

लाल किताब में ग्रहों की मित्रता अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब मित्र ग्रह एक भाव में हों तो वे एक-दूसरे के शुभ परिणामों को बढ़ाते हैं। जब शत्रु ग्रह साथ हों तो वे संघर्ष उत्पन्न करते हैं। सूर्य: मित्र चंद्र, मंगल, बृहस्पति। शत्रु शुक्र, शनि, राहु, केतु। तटस्थ बुध। चंद्र: मित्र सूर्य, बुध। शत्रु राहु, केतु। तटस्थ मंगल, बृहस्पति, शुक्र, शनि। मंगल: मित्र सूर्य, चंद्र, बृहस्पति। शत्रु बुध, केतु। तटस्थ शुक्र, शनि, राहु। बुध: मित्र सूर्य, शुक्र, राहु। शत्रु चंद्र। तटस्थ मंगल, बृहस्पति, शनि, केतु। बृहस्पति: मित्र सूर्य, चंद्र, मंगल। शत्रु बुध, शुक्र, राहु। तटस्थ शनि, केतु। शुक्र: मित्र बुध, शनि, केतु। शत्रु सूर्य, चंद्र, राहु। तटस्थ मंगल, बृहस्पति। शनि: मित्र बुध, शुक्र,

| | |
|---|---|
| **सूर्य** | मित्र: 3, शत्रु: 4 |
| **चंद्र** | मित्र: 2, शत्रु: 2 |
| **मंगल** | मित्र: 3, शत्रु: 2 |
| **बुध** | मित्र: 3, शत्रु: 1 |
| **बृहस्पति** | मित्र: 3, शत्रु: 3 |
| **शुक्र** | मित्र: 3, शत्रु: 3 |
| **शनि** | मित्र: 3, शत्रु: 3 |
| **राहु** | मित्र: 3, शत्रु: 4 |
| **केतु** | मित्र: 2, शत्रु: 3 |

## 6. कुंडली प्रकार (Kundli Prakar)

लाल किताब के अनुसार यह एक नेकी (मिश्रित) कुंडली है। शुभ और अशुभ ग्रह-स्थितियों का संतुलित मिश्रण है। जातक को जीवन भर अनुकूल और चुनौतीपूर्ण दोनों तरह के दौर आएंगे। कमज़ोर ग्रहों के उपाय करने से समग्र भाग्य में सुधार होगा।

| | |
|---|---|
| **प्रकार** | नेकी कुंडली (मिश्रित) |

## 8. ग्रह बल (Grah Bal)

लाल किताब में ग्रह की शक्ति भाव स्थिति (पक्का घर में अधिकतम शक्ति), राशि सम्मान (उच्च बनाम नीच), भाव स्वामी से मित्रता, वक्री स्थिति और केंद्र (1,4,7,10) या त्रिकोण (1,5,9) भावों में स्थिति से निर्धारित होती है। आपका सबसे शक्तिशाली ग्रह बृहस्पति (Jupiter) है जिसका स्कोर 88 · 100 है। आपका सबसे कमज़ोर ग्रह शनि (Saturn) है जिसका स्कोर 32 · 100 है इस ग्रह को सक्रिय लाल किताब उपायों की आवश्यकता है। अधिकतम जीवन सुधार के लिए मुख्य रूप से शनि को मज़बूत करने पर ध्यान दें।

| | |
|---|---|
| **Sun (सूर्य)** | 35/100 कमज़ोर |
| **Moon (चंद्र)** | 83/100 शक्तिशाली |
| **Mars (मंगल)** | 42/100 मध्यम |
| **Mercury (बुध)** | 58/100 मध्यम |
| **Jupiter (बृहस्पति)** | 88/100 शक्तिशाली |
| **Venus (शुक्र)** | 50/100 मध्यम |
| **Saturn (शनि)** | 32/100 कमज़ोर |
| **Rahu (राहु)** | 68/100 मध्यम |
| **Ketu (केतु)** | 35/100 कमज़ोर |

**उपाय :**

- शनि को मज़बूत करें: शनिवार को काले तिल, लोहे की वस्तुएँ और सरसों का तेल दान करें।
- बृहस्पति की शक्ति बनाए रखें: प्रतिदिन माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएँ।

## 9. ग्रह फल (Grah Phal)

ग्रह फल यह बताता है कि लाल किताब कुंडली में प्रत्येक ग्रह अपनी भाव स्थिति के आधार पर कौन-से विशेष परिणाम देता है। लाल किताब प्रत्येक ग्रह को शास्त्रीय वैदिक ज्योतिष से भिन्न प्रतीकात्मक अर्थ देती है। **सूर्य** (Sun) भाव 2 में प्रतीक: पिता, आत्मा, सरकार, गेहूँ, ताँबा, माणिक। प्रभाव: पारिवारिक धन में उतार-चढ़ाव। नेत्र-कष्ट संभव। सदा सत्य बोलें।। शक्ति: 35 · 100 (कमज़ोर)। **चंद्र** (Moon) भाव 4 में प्रतीक: माता, मन, जल, चाँदी, मोती, चावल। प्रभाव: सुखी गृहस्थ जीवन। संपत्ति-लाभ। माता का पूर्ण सहयोग।। शक्ति: 83 · 100 (शक्तिशाली)। **मंगल** (Mars) भाव 11 में प्रतीक: भाई, साहस, रक्त, ताँबा, लाल मूँगा, भूमि। प्रभाव: संपत्ति और भाइयों से आय। परिश्रम से समस्त इच्छाओं की पूर्ति।। शक्ति: 42 · 100 (मध्यम)।

| | |
|---|---|
| **सूर्य** | H2 कमज़ोर |
| **चंद्र** | H4 शक्तिशाली |
| **मंगल** | H11 मध्यम |
| **बुध** | H1 मध्यम |
| **बृहस्पति** | H4 शक्तिशाली |
| **शुक्र** | H2 मध्यम |
| **शनि** | H6 कमज़ोर |
| **राहु** | H10 मध्यम |
| **केतु** | H4 कमज़ोर |

## 11. भाव फल (Bhav Phal)

लाल किताब के अनुसार प्रत्येक भाव की भाव-स्थिति (शुभ/अशुभ/तटस्थ) उस भाव से संबंधित जीवन क्षेत्रों का समग्र परिणाम निर्धारित करती है। शुभ भाव उत्कृष्ट परिणाम, अशुभ भाव चुनौतियाँ और तटस्थ भाव मिश्रित परिणाम देते हैं। भाव 1 अशुभ है। करक सूर्य शत्रु शुक्र के साथ भाव 2 में है। जातक को स्वयं, व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, रूप से संबंधित समस्याएँ होंगी। सिर, मस्तिष्क, चेहरा कमज़ोर हो सकता है। रोग जोखिम: मध्यम जोखिम। सिर, मस्तिष्क, चेहरा प्रभावित हो सकता है। नियमित स्वास्थ्य जाँच करें। उपाय: करक सूर्य के लिए: प्रतिदिन सूर्योदय के समय गुड़ मिला जल सूर्य को अर्पित करें। भाव 2 अशुभ है। शुक्र (करक बृहस्पति का शत्रु) भाव 2 में है। जातक को धन, परिवार, वाणी, खान-पान से संबंधित समस्याएँ होंगी। दाहिनी आँख, चेहरा,

| | |
|---|---|
| **शुभ भाव** | 4/12 |
| **अशुभ भाव** | 5/12 |
| **तटस्थ भाव** | 3/12 |
| **भाव 1 (सिर, मस्तिष्क, चेहरा)** | अशुभ - बुध |
| **भाव 2 (दाहिनी आँख, चेहरा, दाँत, गर्दन)** | अशुभ - सूर्य, शुक्र |
| **भाव 3 (कंधे, भुजाएँ, दाहिना कान, फेफड़े)** | तटस्थ (अशुभ) - खाली |
| **भाव 4 (छाती, हृदय, बायीं आँख)** | अशुभ - चंद्र, बृहस्पति, केतु |
| **भाव 5 (पेट, ऊपरी उदर, हृदय)** | शुभ - खाली |
| **भाव 6 (आँतें, बायाँ कान, गुर्दे)** | अशुभ - शनि |
| **भाव 7 (यौन अंग, निचला उदर)** | अशुभ - खाली |
| **भाव 8 (गुदा, जननांग, पुराने रोग वाले अंग)** | तटस्थ (अशुभ) - खाली |
| **भाव 9 (जाँघें, दाहिनी टाँग, कूल्हे)** | शुभ - खाली |
| **भाव 10 (घुटने, बायीं टाँग, जोड़)** | शुभ - राहु |
| **भाव 11 (पिंडलियाँ, टखने, बायाँ कान)** | शुभ - मंगल |
| **भाव 12 (पैर, बायीं आँख, नींद विकार)** | तटस्थ (अशुभ) - खाली |

**उपाय :**

1. करक सूर्य के लिए: प्रतिदिन सूर्योदय के समय गुड़ मिला जल सूर्य को अर्पित करें।
2. करक बृहस्पति के लिए: प्रतिदिन माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएँ।
3. करक चंद्र के लिए: हमेशा अपने पास चाँदी का चौकोर टुकड़ा या सिक्का रखें।

## 12. जीवन फल (Jeevan Phal)

जीवन क्षेत्र की भविष्यवाणियाँ लाल किताब के भाव महत्व नियमों के अनुसार प्रत्येक जीवन-क्षेत्र के शासक ग्रहों की शक्ति और स्थिति पर आधारित हैं। करियर: चुनौतीपूर्ण। मुख्य ग्रह: शनि भाव 6 में, सूर्य भाव 2 में। चुनौतीपूर्ण ग्रह-स्थिति लाल किताब के केंद्रित उपायों की सिफारिश। व्यापार: अनुकूल। मुख्य ग्रह: बुध भाव 1 में, बृहस्पति भाव 4 में। मज़बूत ग्रह-समर्थन इस क्षेत्र में सकारात्मक परिणामों का संकेत देता है। विवाह: अनुकूल। मुख्य ग्रह: शुक्र भाव 2 में, बृहस्पति भाव 4 में। मज़बूत ग्रह-समर्थन इस क्षेत्र में सकारात्मक परिणामों का संकेत देता है। प्रेम जीवन: अनुकूल। मुख्य ग्रह: शुक्र भाव 2 में, चंद्र भाव 4 में। मज़बूत ग्रह-समर्थन इस क्षेत्र में सकारात्मक परिणामों का संकेत देता है। शिक्षा: अनुकूल। म

| | |
|---|---|
| **करियर** | चुनौतीपूर्ण (34/100) |
| **व्यापार** | अनुकूल (73/100) |
| **विवाह** | अनुकूल (69/100) |
| **प्रेम जीवन** | अनुकूल (67/100) |
| **शिक्षा** | अनुकूल (73/100) |
| **वित्त** | अनुकूल (69/100) |
| **स्वास्थ्य** | चुनौतीपूर्ण (39/100) |
| **आध्यात्मिकता** | मिश्रित (62/100) |

## 14. वर्षफल (Varshphal) - चालू वर्ष 29

लाल किताब वर्षफल (वार्षिक प्रगत कुंडली) आपके जीवन के एक विशेष वर्ष के लिए ग्रहों की गतिविधि को मापती है। प्रगत वर्ष आपकी चालू आयु पर आधारित है: 29 वर्ष (28 वर्ष पूर्ण)। इस प्रगत कुंडली में स्थितियाँ इस विशेष वर्ष को नियंत्रित करने वाले विषयों, चुनौतियों और अवसरों को प्रकट करती हैं। ### विस्तृत ग्रह-गतिविधि और व्याख्याएँ: **सूर्य (Sun)** जन्म **भाव 2** से वर्षफल **भाव 3** में प्रगति करता है आपके 29वें वर्ष में: सूर्य इस वर्ष आपके 3वें प्रगत भाव में है, सामान्य जीवनशक्ति और स्थिर व्यावसायिक प्रगति लाता है। *लाल किताब जन्म भाव प्रभाव:* साहसी, उद्यमी। भाई-बहनों के लिए शुभ। छोटी यात्राएँ लाभकारी। **चंद्र (Moon)** जन्म **भाव 4** से वर्षफल **भाव 4** में प्रगति करता है आपके 29वें वर्ष में: 4वें प

| | |
|---|---|
| **वर्तमान आयु** | 28 वर्ष |
| **वर्षफल वर्ष** | 29वाँ चालू वर्ष |
| **सूर्य वर्षफल भाव 3** | जन्म भाव 2 → वर्षफल भाव 3 |
| **चंद्र वर्षफल भाव 4** | जन्म भाव 4 → वर्षफल भाव 4 |
| **मंगल वर्षफल भाव 7** | जन्म भाव 11 → वर्षफल भाव 7 |
| **बुध वर्षफल भाव 11** | जन्म भाव 1 → वर्षफल भाव 11 |
| **बृहस्पति वर्षफल भाव 4** | जन्म भाव 4 → वर्षफल भाव 4 |
| **शुक्र वर्षफल भाव 3** | जन्म भाव 2 → वर्षफल भाव 3 |
| **शनि वर्षफल भाव 6** | जन्म भाव 6 → वर्षफल भाव 6 |
| **राहु वर्षफल भाव 12** | जन्म भाव 10 → वर्षफल भाव 12 |
| **केतु वर्षफल भाव 4** | जन्म भाव 4 → वर्षफल भाव 4 |

**उपाय :**

1. मंगल भाव 7: आवारा कुत्तों को मीठी रोटी या शहद-लिपटी रोटी खिलाएँ।
2. केतु भाव 4: आवारा कुत्तों को रंगीन रोटी या दूध खिलाएँ और धर्मार्थ कार्य करें।

## 15. ऋण · दोष (Rin Dosha)

कर्म ऋण (ऋण) लाल किताब की सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा है। ये पिछले जन्मों के अनसुलझे दायित्वों को दर्शाते हैं जो इस जीवन में बार-बार आने वाली समस्याओं के रूप में प्रकट होते हैं। आपकी कुंडली में 5 सक्रिय कर्म ऋण हैं। गणना पद्धति: स्विस एफेमेरिस ग्रह-स्थितियों को लग्न से लाल किताब भावों में परिवर्तित किया जाता है (भाव 1 लग्न राशि H8 से शुरू होता है)। ऋण तब सक्रिय होता है जब कोई एक ट्रिगर ग्रह उसके किसी ट्रिगर भाव में हो। पितृ ऋण (पूर्वजों का ऋण): जब शुक्र, बुध या राहु में से कोई भी एक दूसरे, पाँचवें, नौवें, ग्यारहवें या बारहवें भाव में हो तो जातक पितृ ऋण से पीड़ित हो सकता है। स्विस एफेमेरिस गणना: शुक्र=H2 ✓, बुध=H1 ✗, राहु=H10 ✗. परिणाम: सक्रिय क्योंकि कम से कम एक ट्रिगर ग्रह आवश्यक लाल किताब

| | |
|---|---|
| **कुल सक्रिय ऋण** | 5 of 10 |
| **पितृ ऋण (पूर्वजों का ऋण)** | सक्रिय - शुक्र भाव 2 में |
| **स्त्री ऋण (स्त्री का ऋण)** | सक्रिय - सूर्य भाव 2 में |
| **मातृ ऋण (माँ का ऋण)** | सक्रिय - केतु भाव 4 में |
| **भाई/बंधु ऋण (भाई/रिश्तेदारों का ऋण)** | सक्रिय - बुध भाव 1 में |
| **अत्याचार ऋण (अत्याचारी का ऋण)** | सक्रिय - मंगल भाव 11 में |

**उपाय :**

1. सभी खून के रिश्तेदारों से एक-एक रुपया इकट्ठा करें और उसी दिन मंदिर में दान करें।
2. यदि घर में पीपल का पेड़ है तो नियमित उसे जल और सेवा प्रदान करें।
3. सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर धन लेकर उसी दिन 100 गायों को स्वादिष्ट भोजन कराएँ।

## 16. मंगल बद्ध · मंगल नेक (Mangal Dosha)

मंगल नेक मंगल बद्ध ट्रिगर उपस्थित हैं लेकिन स्वतः रद्द हो गए (परिहार सक्रिय)। मंगल शुभ है।

ट्रिगर पाए गए (2):

1. Mercury is in the 1th house. 2. कोई नहीं Sun nor Moon supports Mars in any way.

✓ मंगल नेक है मंगल शुभ है। मंगल बद्ध के किसी उपाय की आवश्यकता नहीं।

## 17. राकेश प्रभाव (Rahu+Ketu+Shani)

लाल किताब में राकेश प्रभाव (राहु+केतु+शनि) सबसे महत्वपूर्ण नकारात्मक संयोजनों में से एक है। राहु या केतु अकेले 100% नकारात्मक प्रभाव देते हैं, शनि अकेला 50% और राहु/केतु+शनि मिलकर 150% तीव्र प्रभाव देते हैं। राहु भाव 10 में: करियर, प्रतिष्ठा, अधिकार, सरकार पर 100% नकारात्मक प्रभाव केतु भाव 4 में: माता, घर, सम्पत्ति, वाहन, सुख पर 100% नकारात्मक प्रभाव शनि भाव 6 में: 50% नकारात्मक प्रभाव शत्रु, रोग, कर्ज, दैनिक कार्य में आंशिक संघर्ष, विलंब **समग्र निर्णय:** राकेश प्रभाव तीव्र है। राहु और केतु स्वतंत्र रूप से अपने-अपने भावों में 100% नकारात्मक परिणाम देते हैं। राहु और केतु के लिए समर्पित उपाय आवश्यक हैं।

| | |
|---|---|
| **राकेश तीव्रता** | तीव्र (100%) |
| **राहु भाव** | H10 |
| **केतु भाव** | H4 |
| **शनि भाव** | H6 |

**उपाय :**

1. राहु के लिए: रात को काले कपड़े में लिपटा चाँदी का टुकड़ा तकिए के नीचे रखें। बहते जल में नारियल और नीले फूल अर्पित करें।
2. केतु के लिए: प्रतिदिन आवारा कुत्तों को रोटी और दूध खिलाएँ। दो रंग का पत्थर (काला-सफ़ेद) अपने पास रखें।
3. शनि के लिए: शनिवार को काले तिल और लोहे की वस्तुएँ दान करें। कौओं को नियमित खाना खिलाएँ।

## 18. षडाष्टक (Shadashtak)

षडाष्टक (6-8 टकराव) लाल किताब की एक विशेष अवधारणा है। जब दो ग्रह एक-दूसरे से 6वें और 8वें स्थान पर हों, तो वे स्वाभाविक मित्रता के बावजूद शत्रु बन जाते हैं। पहले भाव का ग्रह बाद के भाव के ग्रह को नष्ट करता है, लेकिन 8वें स्थान का ग्रह पहले को प्रभावित नहीं कर सकता। चंद्र (भाव 4) और मंगल (भाव 11) षडाष्टक स्थिति में हैं। चंद्र मंगल के परिणामों को नष्ट करता है। प्राकृतिक मित्रता होने पर भी ये ग्रह एक-दूसरे के शत्रु बन जाते हैं। बृहस्पति (भाव 4) और मंगल (भाव 11) षडाष्टक स्थिति में हैं। बृहस्पति मंगल के परिणामों को नष्ट करता है। प्राकृतिक मित्रता होने पर भी ये ग्रह एक-दूसरे के शत्रु बन जाते हैं। मंगल (भाव 11) और शनि (भाव 6) षडाष्टक स्थिति में हैं। मंगल शनि के परिणामों को नष्ट करता है। प्राकृति

| | |
|---|---|
| **षडाष्टक** | 5 टकराव पाए गए |
| **चंद्र → मंगल** | भाव 4 → भाव 11 (6-8 टकराव) |
| **बृहस्पति → मंगल** | भाव 4 → भाव 11 (6-8 टकराव) |
| **मंगल → शनि** | भाव 11 → भाव 6 (6-8 टकराव) |
| **केतु → मंगल** | भाव 4 → भाव 11 (6-8 टकराव) |
| **शनि → बुध** | भाव 6 → भाव 1 (6-8 टकराव) |

**उपाय :**

1. कुत्तों को मीठी रोटी (गुड़ वाली रोटी) खिलाएँ।
2. जेब में लाल रुमाल रखें।
3. कुत्तों को मीठी रोटी (गुड़ वाली रोटी) खिलाएँ।

## 20. सोये हुए ग्रह (Soya Hua Grah)

लाल किताब में "सोया हुआ ग्रह" वह होता है जिस पर कोई दूसरा ग्रह दृष्टि नहीं डालता। ऐसे ग्रह अपनी निर्धारित आयु तक सुप्त रहते हैं। "सोया हुआ घर" वह भाव है जो विशेष ग्रह-स्थिति के कारण निष्क्रिय हो जाता है। इन दोनों के उपाय अनिवार्य हैं। विशेष: पक्का घर में बैठा ग्रह कभी नहीं सोता वह सदैव जागृत रहता है। मंगल भाव 11 में सोया हुआ है कोई ग्रह इस पर दृष्टि नहीं डाल रहा। यह आयु 28 पर स्वयं जागेगा। तब तक इसके उपाय करें: कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ। बुध भाव 1 में सोया हुआ है कोई ग्रह इस पर दृष्टि नहीं डाल रहा। यह आयु 34 पर स्वयं जागेगा। तब तक इसके उपाय करें: पक्षियों को, विशेष रूप से तोतों को, हरी मूँग दाल खिलाएँ। राहु भाव 10 में सोया हुआ है कोई ग्रह इस पर दृष्टि नहीं डाल रहा। यह आयु 42 पर

| | |
|---|---|
| **सोये हुए ग्रह** | मंगल, बुध, राहु |
| **मंगल (भाव 11)** | जागृति आयु: 28 |
| **बुध (भाव 1)** | जागृति आयु: 34 |
| **राहु (भाव 10)** | जागृति आयु: 42 |
| **सोये हुए घर** | H3, H5, H8, H9 |

**उपाय :**

1. भाव 3 (करक: Mars): कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ।
2. भाव 3 (करक: Mars): जेब में लाल रूमाल रखें।
3. भाव 3 (करक: Mars): मंगलवार को मसूर दाल (लाल) दान करें।

## 22. राजयोग और विशेष योग (Vishesh Yoga)

लाल किताब में राजयोग तब बनता है जब 3 या अधिक ग्रह उच्च (Uch) स्थिति में हों। पंचायत राजयोग तब बनता है जब 5 ग्रह एक भाव में हों। धर्म स्थान नियम मंदिर जाने की शुभता निर्धारित करते हैं। **राजयोग:** 1 उच्च ग्रह पाए गए (बृहस्पति), लेकिन राजयोग के लिए 3 से कम उच्च ग्रह हैं। कमज़ोर ग्रहों को मज़बूत करने पर ध्यान दें। **धर्म स्थान नियम:** कोई विशेष प्रतिबंध नहीं पाया गया। मंदिर जाना सामान्यतः शुभ है भक्तिपूर्वक जाएँ। इस कुंडली में कोई विशेष बहु-ग्रह योग (4-5 ग्रह एक भाव में) नहीं पाया गया।

| | |
|---|---|
| **राजयोग** | कोई राजयोग नहीं |
| **धर्म स्थान दर्शन** | ✓ शुभ |
| **बहु-ग्रह योग** | कोई नहीं |

**उपाय :**

- उच्च ग्रहों (Jupiter) की शक्ति बनाए रखें इनके नियमित उपाय करें।

## 23. ग्रह स्थानांतरण (Ichchhit Grah Sthan)

लाल किताब के अनुसार प्रत्येक ग्रह का एक "वांछित स्थान" होता है जहाँ वह सर्वश्रेष्ठ परिणाम देता है। भौतिक उपायों के माध्यम से ग्रह की ऊर्जा को शुभ भावों (2/4/9/11) की ओर चैनल किया जा सकता है। **सूर्य:** सूर्य वर्तमान में भाव 2 में है। इसकी आदर्श स्थिति भाव 1 (सर्वश्रेष्ठ) या भाव 9 (सुरक्षित) है। जीवन परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार के लिए भौतिक लाल किताब उपायों के माध्यम से सूर्य की ऊर्जा को उचित भाव की ओर चैनल करें। विधि: सूर्य को भाव 1/9 में स्थानांतरित करने के लिए: मुख्य द्वार पर ताँबे का चौकोर टुकड़ा रखें। पूर्व दिशा से सूर्योदय के समय सूर्य को जल अर्पित करें। दाहिने हाथ में सोना पहनें। **चंद्र:** चंद्र अपनी सुरक्षित स्थिति (भाव 4) में है। और बेहतर परिणामों के लिए, निर्धारित भौतिक उपायों

| | |
|---|---|
| **पहले से श्रेष्ठ स्थान में** | 0/9 |
| **स्थानांतरण आवश्यक** | 7/9 |
| **सूर्य** | वर्तमान: भाव 2 → श्रेष्ठ: भाव 1 \| सुरक्षित: भाव 9 |
| **चंद्र** | वर्तमान: भाव 4 → श्रेष्ठ: भाव 2 \| सुरक्षित: भाव 4 |
| **मंगल** | वर्तमान: भाव 11 → श्रेष्ठ: भाव 1 \| सुरक्षित: भाव 9 |
| **बुध** | वर्तमान: भाव 1 → श्रेष्ठ: भाव 7 \| सुरक्षित: भाव 10 |
| **बृहस्पति** | वर्तमान: भाव 4 → श्रेष्ठ: भाव 11 \| सुरक्षित: भाव 9 |
| **शुक्र** | वर्तमान: भाव 2 → श्रेष्ठ: भाव 7 \| सुरक्षित: भाव 12 |
| **शनि** | वर्तमान: भाव 6 → श्रेष्ठ: भाव 7 \| सुरक्षित: भाव 10 |
| **राहु** | वर्तमान: भाव 10 → श्रेष्ठ: भाव 3 \| सुरक्षित: भाव 4 |
| **केतु** | वर्तमान: भाव 4 → श्रेष्ठ: भाव 9 \| सुरक्षित: भाव 4 |

**उपाय :**

1. सूर्य को भाव 1/9 में स्थानांतरित करने के लिए: मुख्य द्वार पर ताँबे का चौकोर टुकड़ा रखें। पूर्व दिशा से सूर्योदय के समय सूर्य को जल अर्पित करें। दाहिने हाथ में सोना पहनें।
2. चंद्र को भाव 2/4 में स्थानांतरित करने के लिए: बटुए में हमेशा चाँदी का सिक्का रखें। घर के उत्तर-पश्चिम कोने में चाँदी के बर्तन में जल रखें। आवारा पशुओं को दूध पिलाएँ।
3. मंगल को भाव 1/9 में स्थानांतरित करने के लिए: घर की देहरी पर ताँबे का चौकोर टुकड़ा दबाएँ। मंगलवार को कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ। नीम का पेड़ लगाएँ और नियमित पानी दें।

## 24. ग्रह उपाय (Grah Upay)

लाल किताब अपने सरल लेकिन शक्तिशाली उपायों (टोटके/उपाय) के लिए सबसे प्रसिद्ध है। नीचे दिए गए उपाय केवल उन्हीं ग्रहों के लिए हैं जो आपकी कुंडली में मंदा (अशुभ) हैं शत्रु युति, जड़ या दृष्टि के कारण। नियमित अभ्यास से सर्वोत्तम परिणाम मिलते हैं अधिकांश उपाय 40-43 दिनों के नियमित अभ्यास में प्रभाव दिखाते हैं।

| | |
|---|---|
| **सूर्य उपाय** | 3 टोटके मंदा (अशुभ) ग्रह के लिए |
| **चंद्र उपाय** | 3 टोटके मंदा (अशुभ) ग्रह के लिए |
| **मंगल उपाय** | 3 टोटके मंदा (अशुभ) ग्रह के लिए |
| **शुक्र उपाय** | 3 टोटके मंदा (अशुभ) ग्रह के लिए |
| **शनि उपाय** | 3 टोटके मंदा (अशुभ) ग्रह के लिए |
| **राहु उपाय** | 3 टोटके मंदा (अशुभ) ग्रह के लिए |
| **केतु उपाय** | 3 टोटके मंदा (अशुभ) ग्रह के लिए |

**उपाय :**

1. [सूर्य] प्रतिदिन सूर्योदय के समय गुड़ मिला जल सूर्य को अर्पित करें।
2. [सूर्य] जेब में ताँबे का ठोस चौकोर टुकड़ा रखें।
3. [सूर्य] रविवार को गेहूँ, गुड़ और लाल कपड़ा दान करें।

## 25. खजाना पोटली (Khazana Potli)

खजाना पोटली लाल किताब का एक विशेष उपाय है जिसमें विशेष वस्तुएँ या रत्न भाव-विशेष नियमों के अनुसार रखे या दबाए जाते हैं। बजट उपाय सस्ते और आसान हैं, प्रीमियम उपाय अधिक शक्तिशाली हैं। **भाव 2 गुरु/चंद्र:** बजट उपाय: हल्दी की गाँठें और चाँदी के सिक्के वाली पीली कपड़े की थैली परिवार की अलमारी में रखें। प्रीमियम उपाय: पीले पुखराज या मूनस्टोन को पीली रेशमी थैली में नकद बक्से में रखें। समय: गुरुवार को गुरु होरा (6-8 बजे) में रखें। **भाव 4 चंद्र:** बजट उपाय: सफेद कपड़े में मूनस्टोन मोती, घर के मुख्य दरवाजे या केंद्र के पास रखें। नकारात्मक चंद्र के लिए नदी में प्रवाहित करें। प्रीमियम उपाय: चाँदी की अँगूठी में असली मोती (सोमवार को पहनें) या घर के केंद्र में दबाएँ। समय: सोमवार को चंद्र होरा (10-11

| | |
|---|---|
| **भाव 2 (गुरु/चंद्र)** | बजट: हल्दी की गाँठें और चाँदी के सिक्के वाली पीली कपड़े की थैली परिवार की अलमारी में रखें। |
| **भाव 4 (चंद्र)** | बजट: सफेद कपड़े में मूनस्टोन मोती, घर के मुख्य दरवाजे या केंद्र के पास रखें। नकारात्मक चंद्र के लिए नदी में प्रवाहित करें। |
| **भाव 11 (गुरु/शनि)** | बजट: हल्दी की गाँठें पीले कपड़े की थैली में, व्यक्तिगत तिजोरी या आय लॉकर में रखें। |
| **भाव 1 (सूर्य/मंगल)** | बजट: लाल धागे/कपड़े में लिपटा ताँबे का सिक्का पहले भाव के कमरे के कोने में रखें। |
| **भाव 6 (बुध/केतु)** | बजट: छठे भाव के लिए खजाना पोटली नहीं कुत्तों को खाना खिलाएँ (केतु के लिए), पक्षियों को हरी मूँग खिलाएँ (बुध के लिए)। |
| **भाव 10 (शनि/सूर्य)** | बजट: सरकारी सीमा/सरकारी भूमि के कोने पर लोहे की कीलें गाड़ें (घर के अंदर नहीं)। |

**उपाय :**

1. हल्दी की गाँठें और चाँदी के सिक्के वाली पीली कपड़े की थैली परिवार की अलमारी में रखें।
2. सफेद कपड़े में मूनस्टोन मोती, घर के मुख्य दरवाजे या केंद्र के पास रखें। नकारात्मक चंद्र के लिए नदी में प्रवाहित करें।
3. हल्दी की गाँठें पीले कपड़े की थैली में, व्यक्तिगत तिजोरी या आय लॉकर में रखें।

## 26. उपाय के नियम (Upay Ke Niyam)

लाल किताब उपाय सही ढंग से करने के लिए इन नियमों का पालन करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने से उपाय का प्रभाव कम होता है या उलटा असर हो सकता है। 1. सभी उपाय केवल दिन के समय (सूर्योदय से सूर्यास्त तक) करें। रात को उपाय कभी न करें। 2. अवधि: अधिकांश लाल किताब उपाय बिना रुके लगातार 40 या 43 दिन करने चाहिए। 3. चतुर्थी (4), चतुर्दशी (14), या नवमी (9) तिथि को उपाय शुरू न करें ये अशुभ प्रारंभ तिथियाँ हैं। 4. बादल वाले (घटाटोप) दिन उपाय शुरू न करें स्पष्ट आकाश की प्रतीक्षा करें। 5. एक दिन में केवल एक उपाय करें। एक ही दिन कई उपाय न मिलाएँ। 6. बहते जल (नदी, नाले) के लिए उपाय: वस्तु अर्पित/प्रवाहित करने से पहले उसे 7 बार घड़ी की विपरीत दिशा में चक्कर लगाएँ। 7. उच्च ग्रह से जुड़ी वस्तुएँ उप

| | |
|---|---|
| **उपाय का समय** | केवल दिन में (सूर्योदय से सूर्यास्त) |
| **अवधि** | 40 या 43 लगातार दिन |
| **प्रतिबंधित तिथियाँ** | चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी |
| **प्रति दिन उपाय** | केवल 1 |
| **जल उपाय** | 7 बार घड़ी विपरीत चक्कर |

## 27. मकान कब बनवाएँ (Makan Timing)

लाल किताब में मकान निर्माण का समय शनि की भाव स्थिति से निर्धारित होता है। आपकी कुंडली में शनि भाव 6 में है। **निर्णय:** केवल 36 वर्ष की आयु के बाद बनाएँ **विवरण:** छठे भाव में शनि 36 वर्ष से पहले घर बनाने से नौकरी/कर्ज की समस्या। 36 के बाद अनुकूल।

| | |
|---|---|
| **शनि भाव 6 में** | केवल 36 वर्ष की आयु के बाद बनाएँ |

**उपाय :**

- घर बनाने से पहले शनि उपाय करें: शनिवार को काले तिल और लोहे की वस्तुएँ दान करें।
- निर्माण शुरू करने से पहले ग्रहप्रवेश पूजा करवाएँ।

## 28. शुभ दिन-रंग-दिशा (Shubh Tatvaa)

आपकी लाल किताब कुंडली के अनुसार, गुरुवार आपका सबसे अनुकूल दिन है क्योंकि यह आपके सबसे शक्तिशाली ग्रह बृहस्पति द्वारा शासित है। अधिकतम लाभ के लिए इस दिन पीला/सोना पहनें। आपकी शुभ धातु सोना है इस धातु को पहनने या रखने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। प्रार्थना, पढ़ाई या काम करते समय उत्तर-पूर्व की ओर मुख करें। शनिवार (शनि का दिन) पर महत्वपूर्ण कार्य शुरू करने से बचें। शनिवार को नीला/काला पहनने से बचें। आपके शुभ अंक 5, 9, 3 हैं इन्हें महत्वपूर्ण निर्णयों, पतों और फोन नंबरों के लिए उपयोग करें।

| | |
|---|---|
| **शुभ दिन** | गुरुवार |
| **शुभ रंग** | पीला/सोना |
| **शुभ धातु** | सोना |
| **शुभ दिशा** | उत्तर-पूर्व |
| **शुभ अंक** | 5, 9, 3 |
| **सावधानी दिन** | शनिवार |

## 29. सारांश (Saaransh)

आपकी लाल किताब कुंडली नेकी कुंडली (मिश्रित) के रूप में वर्गीकृत है। आपके सबसे शक्तिशाली ग्रह बृहस्पति (88/100), चंद्र (83/100), राहु (68/100) हैं ये ग्रह जीवन भर अपने सर्वोत्तम परिणाम देंगे। आपके सबसे कमज़ोर ग्रह शनि (32/100), केतु (35/100), सूर्य (35/100) हैं इन्हें लाल किताब टोटकों के माध्यम से सक्रिय उपायों की आवश्यकता है। याद रखें कि लाल किताब आशा की पद्धति है कोई भी ग्रह-स्थिति स्थायी रूप से नकारात्मक नहीं है। निरंतर उपाय-अभ्यास से कमज़ोर ग्रह भी मज़बूत हो सकते हैं। पशुओं को खाना खिलाने, विशिष्ट दिनों पर दान करने और सभी के प्रति सकारात्मक व्यवहार बनाए रखने पर ध्यान दें। लाल किताब की शक्ति उसकी सरलता में है विश्वास और ईमानदारी से उपाय करें और 40-43 दिनों में सकारात्मक परिणाम आएंगे।

| | |
|---|---|
| **कुंडली प्रकार** | नेकी कुंडली |
| **सबसे शक्तिशाली ग्रह** | बृहस्पति (88/100) |
| **सबसे कमज़ोर ग्रह** | शनि (32/100) |
| **समग्र संतुलन** | 3 शक्तिशाली, 3 कमज़ोर |

**उपाय :**

1. प्राथमिकता: शनि को दैनिक उपायों से मज़बूत करें।
2. बृहस्पति की शक्ति गुरुवार को कृतज्ञता और सकारात्मक कार्यों से बनाए रखें।
3. पशुओं और पक्षियों को नियमित खाना खिलाएँ यह सार्वभौमिक लाल किताब उपाय है।

## आपकी कुंडली में

प्रमुख लाल किताब संकेतक: ग्रह-टकराव (टक्कर/षडाष्टक), स्थायी सक्रिय ग्रह (कायम), सोए ग्रह/भाव (सोया), विश्वासघाती ग्रह (धोखा), और कुंडली-प्रकार वर्गीकरण।

⚔️ **5**

**टक्कर · षडाष्टक**

टक्कर / षडाष्टक

चंद्र · मंगल · बृहस्पति · शनि · केतु · बुध

**5 टकराव जोड़ी प्रभावित ग्रह का उपाय करें**

⚡ **0**

**कायम ग्रह**

कायम ग्रह

**कोई नहीं कोई ग्रह शत्रु-प्रभाव से पूर्णतः मुक्त नहीं**

💤 **3**

**सोया हुआ ग्रह**

सोया हुआ ग्रह

मंगल · बुध · राहु

**3 ग्रह सोए हुए फल में विलंब**

🏠 **4**

**सोया हुआ घर**

सोया हुआ घर

H3 · H5 · H8 · H9

**4 भाव सुप्त फल दबे हुए**

## त्वरित संदर्भ LK-Specific Indicators

| संकेतक | आपकी कुंडली | लाल किताब अर्थ |
|---|---|---|
| टक्कर (षडाष्टक) | Moon→Mars, Jupiter→Mars, Mars→Saturn, Ketu→Mars, Saturn→Mercury | छठे/आठवें स्थान का टकराव। पहला ग्रह बाद वाले ग्रह के फल को रोकता है। |
| कायम ग्रह | इस कुंडली में कोई नहीं | एक ही भाव में या दृष्टि डालता कोई शत्रु नहीं। 100% निरपेक्ष फल देता है। |
| सोया हुआ ग्रह | मंगल(H11, age 28) · बुध(H1, age 34) · राहु(H10, age 42) | सोया ग्रह: कोई अन्य ग्रह उस पर दृष्टि नहीं डालता। पक्का घर के ग्रह सदा जाग्रत रहते हैं। |
| सोया हुआ घर | H3, H5, H8, H9 | सुप्त भाव: रिक्त भाव जिसके संबंधित भाव भी रिक्त हों उसके फल दब जाते हैं। |
| धोखे का ग्रह | मंगल(आयु), मंगल(Teva), बुध(Teva), राहु(Teva) | विश्वासघाती ग्रह आयु, टेवा (जन्म कुंडली) और वर्षफल तीन पृथक विधियों से। |
| धर्मी ग्रह | केतु | धर्मी ग्रह: शनि+बृहस्पति, भाव 4 में राहु/केतु, या मित्र पक्का घर में स्थित ग्रह। |
| अंधा / अधिअंधी | कोई नहीं | अंधा: भाव 10 में 2+ शत्रु ग्रह। अधिअंधी: सूर्य भाव 4 + शनि भाव 7 का विरोध। |

## टक्कर-षडाष्टक ग्रह टकराव विस्तार

जब लाल किताब कुंडली में दो ग्रह एक-दूसरे से छठे या आठवें हों, तो पहले भाव वाला ग्रह बाद वाले भाव के ग्रह को हानि पहुँचाता है। हानि एकतरफ़ा होती है। पहले ग्रह का उपाय टकराव को दूर कर देता है। **यदि कोई टक्कर न हो सभी ग्रह अपना पूर्ण फल स्वतंत्रता से देते हैं।**

| कारक ग्रह | भाव | ↓ | प्रभावित ग्रह | भाव | प्रभाव |
|---|---|---|---|---|---|
| चंद्र | H4 | → | मंगल | H11 | चंद्र (भाव 4) मंगल (भाव 11) की जड़ काटता है - जड़ काटना (टक्कर/षडाष्टक) |
| बृहस्पति | H4 | → | मंगल | H11 | बृहस्पति (भाव 4) मंगल (भाव 11) की जड़ काटता है - जड़ काटना (टक्कर/षडाष्टक) |
| मंगल | H11 | → | शनि | H6 | मंगल (भाव 11) शनि (भाव 6) की जड़ काटता है - जड़ काटना (टक्कर/षडाष्टक) |
| केतु | H4 | → | मंगल | H11 | केतु (भाव 4) मंगल (भाव 11) की जड़ काटता है - जड़ काटना (टक्कर/षडाष्टक) |
| शनि | H6 | → | बुध | H1 | शनि (भाव 6) बुध (भाव 1) की जड़ काटता है - जड़ काटना (टक्कर/षडाष्टक) |

## षडाष्टक - Jad Katna (जड़ काटना) विश्लेषण

### ■ लाल किताब सिद्धांत - टक्कर के ग्रह (Jad Katna Rule)

जब दो ग्रह एक-दूसरे से षष्ठ-अष्टम (6-8) स्थिति में होते हैं, तो उनकी प्राकृतिक मित्रता-शत्रुता का महत्व नहीं रहता वे शत्रु बन जाते हैं। जो ग्रह पहले भाव में बैठा है, वह आठवें भाव में बैठे ग्रह की **जड़ को काट देता है** उस पर पूर्णतः अशुभ प्रभाव डालता है। किन्तु आठवें भाव का ग्रह पहले भाव के ग्रह को प्रभावित नहीं कर सकता। यह प्रभाव *एकतरफा* है।

| Cutter (काटने वाला) | | Victim (प्रभावित ग्रह) | प्रभाव | उपाय |
|---|---|---|---|---|
| **चंद्र** H4 · काटने वाला | → जड़ काटना | **मंगल** H11 · प्रभावित ग्रह | **मंगल** (भाव 11) **चंद्र** (भाव 4) के आठवें भाव में बैठा है, अतः चंद्र उसकी जड़ पूर्णतः काट देता है। प्राकृतिक मित्रता समाप्त हो जाती है मंगल के फल हानि पाते हैं। हानि *एकतरफ़ा* है: मंगल चंद्र पर पलटवार नहीं कर सकता। | ◆ कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ। \| जेब में लाल रूमाल रखें। |
| **बृहस्पति** H4 · काटने वाला | → जड़ काटना | **मंगल** H11 · प्रभावित ग्रह | **मंगल** (भाव 11) **बृहस्पति** (भाव 4) के आठवें भाव में बैठा है, अतः बृहस्पति उसकी जड़ पूर्णतः काट देता है। प्राकृतिक मित्रता समाप्त हो जाती है मंगल के फल हानि पाते हैं। हानि *एकतरफ़ा* है: मंगल बृहस्पति पर पलटवार नहीं कर सकता। | ◆ कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ। \| जेब में लाल रूमाल रखें। |
| **मंगल** H11 · काटने वाला | → जड़ काटना | **शनि** H6 · प्रभावित ग्रह | **शनि** (भाव 6) **मंगल** (भाव 11) के आठवें भाव में बैठा है, अतः मंगल उसकी जड़ पूर्णतः काट देता है। प्राकृतिक मित्रता समाप्त हो जाती है शनि के फल हानि पाते हैं। हानि *एकतरफ़ा* है: शनि मंगल पर पलटवार नहीं कर सकता। | ◆ शनिवार को काले तिल, लोहे की वस्तुएँ और सरसों का तेल दान करें। \| कौओं और काले कुत्तों को नियमित खाना खिलाएँ। |
| **केतु** H4 · काटने वाला | → जड़ काटना | **मंगल** H11 · प्रभावित ग्रह | **मंगल** (भाव 11) **केतु** (भाव 4) के आठवें भाव में बैठा है, अतः केतु उसकी जड़ पूर्णतः काट देता है। प्राकृतिक मित्रता समाप्त हो जाती है मंगल के फल हानि पाते हैं। हानि *एकतरफ़ा* है: मंगल केतु पर पलटवार नहीं कर सकता। | ◆ कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ। \| जेब में लाल रूमाल रखें। |
| **शनि** H6 · काटने वाला | → जड़ काटना | **बुध** H1 · प्रभावित ग्रह | **बुध** (भाव 1) **शनि** (भाव 6) के आठवें भाव में बैठा है, अतः शनि उसकी जड़ पूर्णतः काट देता है। प्राकृतिक मित्रता समाप्त हो जाती है बुध के फल हानि पाते हैं। हानि *एकतरफ़ा* है: बुध शनि पर पलटवार नहीं कर सकता। | ◆ पक्षियों को, विशेष रूप से तोतों को, हरी मूँग दाल खिलाएँ। \| जेब में हरा कपड़ा रखें या हरे रंग के कपड़े पहनें। |

▲ **महत्वपूर्ण:** षडाष्टक टकराव *प्रभावित ग्रह* को फल देने में निर्बल कर देता है। उसका बल लौटाने के लिए **प्रभावित ग्रह** का उपाय करना चाहिए। काटने वाले ग्रह का प्रभाव इतना प्रबल होता है कि केवल प्रभावित ग्रह को बलवान करके (या काटने वाले को शांत करके) ही हानि घटाई जा सकती है। षडाष्टक स्थिति में ग्रह प्राकृतिक मित्र होने पर भी शत्रु बन जाते हैं (जैसे सूर्य व चंद्र, बृहस्पति व शुक्र)।

## Kaayam Graha (कायम ग्रह) Permanently Active Planet 100% Results

**कायम ग्रह की परिभाषा (लाल किताब):** कोई ग्रह कायम *तभी* होता है जब वह **चारों शर्तें** पूरी करे:

1. **उच्च** हो या अपने **पक्का घर** में हो यह मूल शर्त है।
2. **उसी भाव** में कोई शत्रु ग्रह न हो (युति शर्त)।
3. उसके **पक्का घर** में कोई शत्रु ग्रह न हो (जड़ शर्त)।
4. उसके भाव पर किसी शत्रु ग्रह की **दृष्टि** न हो।

ऐसा ग्रह अपने समस्त जीवन-क्षेत्रों में **100% निरपेक्ष फल** देता है। यदि कोई कायम ग्रह न हो तो सभी ग्रहों में आंशिक बाधा रहती है और उपाय आवश्यक होते हैं।

| ग्रह | हिंदी | H | कायम स्थिति |
|---|---|---|---|

इस कुंडली में कोई ग्रह शत्रु-प्रभाव से पूर्णतः मुक्त नहीं सभी ग्रह आंशिक फल देते हैं

## Nek (ग्रह स्थिति) Malefic

**मंदा/नेक कैसे तय होता है (3 जाँच):**

**1. युति:** एक ही भाव में शत्रु ग्रह → मंदा। एक ही भाव में मित्र ग्रह → नेक।

**2. जड़ (मालिक भाव):** जड़ (मालिक) भाव में बैठा शत्रु ग्रह → मंदा। जड़ भाव में मित्र → नेक।

**3. दृष्टि:** इस भाव पर शत्रु ग्रह की दृष्टि → मंदा। मित्र की दृष्टि → नेक। वक्री दृष्टि सदा = मंदा।

**नियम: यदि मंदा और नेक दोनों एक साथ हों → ग्रह मंदा माना जाता है। केवल अल्प नेक सहयोग मिलता है। पहले मंदा जाँचें।**

| ग्रह | स्थिति | कारण (युति / जड़ / दृष्टि) |
|---|---|---|
| **सूर्य**<br>सूर्य · H2 | ⚠ मंदा | • युति: शुक्र (शत्रु) उसी भाव 2 में है<br>• वक्री दृष्टि: शनि (भाव 6) भाव 2 पर 100% वक्री दृष्टि डालता है सदैव अशुभ |
| **चंद्र**<br>चंद्र · H4 | ⚠ मंदा | • युति: केतु (शत्रु) उसी भाव 4 में है<br>• जड़: केतु (शत्रु) जड़ भाव 4 में है |
| **मंगल**<br>मंगल · H11 | ⚠ मंदा | • जड़: बुध (शत्रु) जड़ भाव 1 में है |
| **बुध**<br>बुध · H1 | तटस्थ | कोई युति, जड़ या दृष्टि प्रभाव नहीं मिला |
| **बृहस्पति**<br>बृहस्पति · H4 | ✓ नेक | • युति: चंद्र (मित्र) उसी भाव 4 में है |
| **शुक्र**<br>शुक्र · H2 | ⚠ मंदा | • युति: सूर्य (शत्रु) उसी भाव 2 में है<br>• वक्री दृष्टि: शनि (भाव 6) भाव 2 पर 100% वक्री दृष्टि डालता है सदैव अशुभ<br>• जड़: सूर्य (शत्रु) जड़ भाव 2 में है |
| **शनि**<br>शनि · H6 | ⚠ मंदा | • दृष्टि: सूर्य (शत्रु, भाव 2) भाव 6 पर 25% दृष्टि डालता है<br>• जड़: मंगल (शत्रु) जड़ भाव 11 में है<br>• दृष्टि: शुक्र (मित्र, भाव 2) भाव 6 पर 25% दृष्टि डालता है<br>• जड़: राहु (मित्र) जड़ भाव 10 में है |
| **राहु**<br>राहु · H10 | ⚠ मंदा | • दृष्टि: चंद्र (शत्रु, भाव 4) भाव 10 पर 100% दृष्टि डालता है<br>• दृष्टि: बृहस्पति (शत्रु, भाव 4) भाव 10 पर 100% दृष्टि डालता है<br>• दृष्टि: केतु (मित्र, भाव 4) भाव 10 पर 100% दृष्टि डालता है |
| **केतु**<br>केतु · H4 | ⚠ मंदा | • युति: चंद्र (शत्रु) उसी भाव 4 में है |

## Banavati Graha (मसनुई ग्रह) Universal Reference Table

लाल किताब में हर ग्रह में दो अन्य ग्रहों का सार मिला होता है इन्हें **मसनूई (बनावटी/मिश्रित) ग्रह** कहते हैं। जब कोई ग्रह अच्छी स्थिति में होते हुए भी शुभ फल न दे, तो उसके मसनूई ग्रह देखें।

**यदि दोनों मसनूई ग्रह अशुभ भावों में हों → मुख्य ग्रह अच्छी स्थिति में होते हुए भी शुभ फल नहीं दे पाता।**

**यदि मसनूई ग्रह शुभ भावों में हों → मुख्य ग्रह शुभ फल देता है।** यह तालिका सभी कुंडलियों के लिए समान है।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

| मुख्य ग्रह (पक्का ग्रह) | मसनूई ग्रह | टिप्पणी / क्या देखें |
|---|---|---|
| **गुरु (बृहस्पति)** | **सूर्य + शुक्र** | गुरु (बृहस्पति) का असर देखने के लिए सूर्य और शुक्र की स्थिति देखें |
| **सूर्य (Sun)** | **बुध + शुक्र** | सूर्य (Sun) का असर देखने के लिए बुध और शुक्र की स्थिति देखें |
| **चंद्र (Moon)** | **सूर्य + गुरु** | चंद्र (Moon) का असर देखने के लिए सूर्य और गुरु की स्थिति देखें |
| **शुक्र (Venus)** | **राहु + केतु** | शुक्र (Venus) का असर देखने के लिए राहु और केतु की स्थिति देखें |
| **मंगल (Mars)** | **सूर्य + बुध** | मंगल (Mars) का असर देखने के लिए सूर्य और बुध की स्थिति देखें |
| **मंगल बद्ध (Mangal Badh)** | **सूर्य + शनि** | मंगल बद्ध (Mangal Badh) का असर देखने के लिए सूर्य और शनि की स्थिति देखें |
| **बुध (Mercury)** | **गुरु + राहु** | बुध (Mercury) का असर देखने के लिए गुरु और राहु की स्थिति देखें |
| **शनि (केतु जैसा स्वभाव)** | **शुक्र + गुरु** | शनि (केतु जैसा स्वभाव) का असर देखने के लिए शुक्र और गुरु की स्थिति देखें |
| **शनि (राहु जैसा स्वभाव)** | **मंगल + बुध** | शनि (राहु जैसा स्वभाव) का असर देखने के लिए मंगल और बुध की स्थिति देखें |
| **राहु (उच्च)** | **शनि + मंगल** | राहु (उच्च) का असर देखने के लिए शनि और मंगल की स्थिति देखें |
| **राहु (नीच)** | **सूर्य + शनि** | राहु (नीच) का असर देखने के लिए सूर्य और शनि की स्थिति देखें |
| **केतु (उच्च)** | **शुक्र + शनि** | केतु (उच्च) का असर देखने के लिए शुक्र और शनि की स्थिति देखें |
| **केतु (नीच)** | **चंद्र + शनि** | केतु (नीच) का असर देखने के लिए चंद्र और शनि की स्थिति देखें |

## Kurbani Ke Bakre (कुर्बानी के बकरे) Scapegoat Planets

लाल किताब में जब कोई ग्रह संकट में होता है, तो वह अपनी विपत्ति किसी "बलि के बकरे" (मित्र/आश्रित ग्रह) पर डाल देता है। इसी से समझ आता है कि अच्छी स्थिति वाला ग्रह भी क्यों विफल हो जाता है उसका बलि का बकरा कष्ट में होता है।

**उपाय: यदि मुख्य ग्रह का उपाय काम न करे, तो उसके बलि के बकरे ग्रह का उपाय करें वास्तविक समस्या वहीं से उत्पन्न होती है।**

| पीड़ित ग्रह | बलि का बकरा | व्याख्या |
|---|---|---|
| **Shani (शनि)** शनि | **शुक्र** | जब शनि पर कोई संकट आता है (जैसे सूर्य-शनि टकराव), तो राहु-केतु आगे आकर अपनी मुसीबत शुक्र पर डाल देते हैं। पारिवारिक रूपक में: सूर्य=पिता, शनि=पुत्र इनके झगड़े में शुक्र (पत्नी) बलि का बकरा बनती है। |
| **Budh (बुध)** बुध | **शुक्र** | बुध को "बेपेंदे का लोटा" कहा जाता है बहुत चालाक और फिसलन भरा। बुध और शुक्र मित्र हैं, लेकिन जब बुध पर मुसीबत आती है तो वह अपनी मुसीबत शुक्र पर डाल देता है और खुद बच जाता है। |
| **Mangal (मंगल)** मंगल | **केतु** | जब मंगल अशुभ होता है तो उसका दुष्प्रभाव केतु पर पड़ता है। मंगल बद्ध (सूर्य+शनि से बना) अपना बुरा प्रभाव शनि के पुत्र (केतु) पर डालता है। |
| **Shukra (शुक्र)** शुक्र | **चंद्र** | शुक्र (स्त्री स्वभाव) अपनी बला चंद्रमा (कुंडली वाले की माता) पर डाल देता है। चंद्र और शुक्र प्रतिद्वंद्वी ग्रह हैं। जब दोनों एक साथ हों तो माता की दृष्टि/स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। |
| **Guru (बृहस्पति)** गुरु | **केतु** | केतु को गुरु का चेला कहा गया है। जब गुरु पर बुरा प्रभाव पड़ता है तो वह अपनी मुसीबत केतु पर डाल देता है। गुरु की अशुभ दशा में केतु के घर के फल अशुभ होते हैं मामा को तकलीफ, रीढ़/जोड़ों का दर्द, पेशाब संबंधी समस्याएं। |
| **Surya (सूर्य)** सूर्य | **केतु** | सूर्य भी अपनी मुसीबत के समय केतु पर बुरा असर डालता है। सूर्य अशुभ होने पर केतु संबंधित मामले (पुत्र, आध्यात्मिक जीवन, पैर) प्रभावित होते हैं। |
| **Chandra (चंद्र)** चंद्र | **गुरु, मंगल, सूर्य** | चंद्र के मित्र गुरु, मंगल और सूर्य हैं। चंद्र अपना थोड़ा-थोड़ा असर गुरु, मंगल और सूर्य पर डालकर खुद बुरी स्थिति से बच जाता है। |
| **राहु** राहु | **अपनी मुसीबत स्वयं भोगते हैं** | राहु और केतु अपनी मुसीबत खुद सहते हैं किसी और के गले में नहीं डालते। राहु कमज़ोर होने पर साले/बहनोई पर बुरा प्रभाव हो सकता है। |
| **केतु** केतु | **अपनी मुसीबत स्वयं भोगते हैं** | केतु अपनी मुसीबत खुद सहता है। केतु कमज़ोर होने पर पुत्र, पैर/टाँगें, आध्यात्मिक जीवन सीधे प्रभावित होते हैं। |

## Soya Hua Graha (सोया हुआ ग्रह) Sleeping Planets Delayed Results

सोया ग्रह वह है जिसकी **अपनी दृष्टि में कोई ग्रह न हो** लाल किताब के अनुसार: *"जिस ग्रह की दृष्टि में कोई ग्रह न हो।"* ऐसा ग्रह **जन्म से निष्क्रिय** रहता है जब तक उसकी सक्रियता-आयु नहीं आ जाती, और उससे पहले *कोई फल नहीं देता*। अपवाद: अपने किसी भी पक्का घर में बैठा ग्रह सदा जाग्रत रहता है। **उपाय: ग्रह का विशिष्ट उपाय करके उसे समय से पहले जगाएँ।**

| ग्रह | हिंदी | H | सक्रियता आयु | उपाय |
|---|---|---|---|---|
| **मंगल** | मंगल | H11 | **28** | कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ। |
| **बुध** | बुध | H1 | **34** | पक्षियों को, विशेष रूप से तोतों को, हरी मूँग दाल खिलाएँ। |
| **राहु** | राहु | H10 | **42** | तकिए के नीचे काले कपड़े में लिपटा चाँदी का टुकड़ा या कोयला रखें। |

### ग्रह-वार विवरण

| ग्रह | सक्रियता आयु | विशिष्ट उपाय |
|---|---|---|
| **मंगल**<br>मंगल · H11 | 28 | कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ। |
| **बुध**<br>बुध · H1 | 34 | पक्षियों को, विशेष रूप से तोतों को, हरी मूँग दाल खिलाएँ। |
| **राहु**<br>राहु · H10 | 42 | तकिए के नीचे काले कपड़े में लिपटा चाँदी का टुकड़ा या कोयला रखें। |

## Soya Hua Ghar (सोया हुआ घर) Sleeping Houses Dormant Life Areas · झोपलेले घर (सोया हुआ घर) सुप्त भाव निष्क्रिय जीवन-क्षेत्रे

सुप्त भाव के जीवन-क्षेत्र के फल दब जाते हैं। उस भाव के विशिष्ट कारकत्व धन (भाव 2), करियर (भाव 10), संबंध (भाव 7) आदि तब तक निष्क्रिय रहते हैं जब तक जगाने वाले विशिष्ट उपाय न किए जाएँ या ग्रह-गोचर उसे सक्रिय न कर दें।

| भाव | कारण |
|---|---|
| **H3** | भाव 3 रिक्त और भाव 9 में बुध नहीं पराक्रम/भाई-बहन भाव सोया हुआ |
| **H5** | भाव 5 में कोई ग्रह नहीं संतान/बुद्धि भाव सोया हुआ |
| **H8** | भाव 8 में कोई ग्रह नहीं आयु/उत्तराधिकार भाव सोया हुआ |
| **H9** | भाव 9, 3 और 5 तीनों रिक्त भाग्य/पिता भाव सोया हुआ |

## Dhoke Ka Grah (धोखे का ग्रह) Betrayal Planet 3 Methods

**धोखे का ग्रह** वह ग्रह है जो जीवन के किसी विशेष समय पर छल, विश्वासघात या अप्रत्याशित हानि का संकेत देता है। लाल किताब इसे **3 पृथक विधियों** से पहचानती है प्रत्येक स्वतंत्र है और अलग-अलग पढ़ी जानी चाहिए। उपाय *केवल* तब आवश्यक है जब वर्षफल का भाव 10 ग्रह नकारात्मक हो।

### ① विधि 1 आयु अनुक्रम (Age-Based Sequence)

12-ग्रह लाल किताब क्रम सूर्य के भाव से आरम्भ होता है। वर्तमान आयु तय करती है कि कौन-सा स्तम्भ पढ़ें वही ग्रह इस जीवन-चरण का सक्रिय धोखे का ग्रह है।

| | |
|---|---|
| **विश्वासघाती ग्रह** | **मंगल** |
| **वर्तमान आयु** | 29 years |
| **गणना विधि** | 12-ग्रह क्रम (सू→चं→के→मं→बु→श→रा→भाव8→भाव9→गु→शु→भाव12) सूर्य के भाव से आरम्भ। आयु 29 से मेल खाता स्तम्भ सक्रिय धोखे का ग्रह देता है। |

### ② विधि 2 तेवा · जन्म कुंडली (Birth Chart 10th-House Method)

जन्म कुंडली के हर ग्रह के लिए, उससे 10वें भाव में जो ग्रह बैठा हो वही उस ग्रह से विश्वासघात/धोखा करता है। यह जन्म-कुंडली का स्थायी संबंध है।

| प्रभावित ग्रह ग्रह · भाव | विश्वासघात करने वाला (उससे 10वाँ) | हिंदी | व्याख्या |
|---|---|---|---|
| सूर्य · H2 | मंगल · H11 | मंगल | भाव 2 से 10वाँ = भाव 11; वहाँ बैठा ग्रह प्रभावित ग्रह से विश्वासघात करेगा। |
| चंद्र · H4 | बुध · H1 | बुध | भाव 4 से 10वाँ = भाव 1; वहाँ बैठा ग्रह प्रभावित ग्रह से विश्वासघात करेगा। |
| बुध · H1 | राहु · H10 | राहु | भाव 1 से 10वाँ = भाव 10; वहाँ बैठा ग्रह प्रभावित ग्रह से विश्वासघात करेगा। |
| बृहस्पति · H4 | बुध · H1 | बुध | भाव 4 से 10वाँ = भाव 1; वहाँ बैठा ग्रह प्रभावित ग्रह से विश्वासघात करेगा। |
| शुक्र · H2 | मंगल · H11 | मंगल | भाव 2 से 10वाँ = भाव 11; वहाँ बैठा ग्रह प्रभावित ग्रह से विश्वासघात करेगा। |
| केतु · H4 | बुध · H1 | बुध | भाव 4 से 10वाँ = भाव 1; वहाँ बैठा ग्रह प्रभावित ग्रह से विश्वासघात करेगा। |

### ③ विधि 3 वर्षफल H10 (Current Year Varshfal Method)

चालू वर्ष की वर्षफल कुंडली के भाव 10 में जो ग्रह आता है वही इस वर्ष का धोखे का ग्रह है। यदि वह विधि 1 से भी मेल खाए तो **दोहरा धोखा** बनता है सर्वाधिक विश्वासघात-जोखिम।

| ग्रह | हिंदी · Natal H | टिप्पणी / स्थिति |
|---|---|---|
| ✓ इस वर्ष वर्षफल के भाव 10 में कोई ग्रह नहीं कोई सक्रिय वर्षफल विश्वासघात नहीं। | | |

### Masnui Graha (मसनूई ग्रह) Substitute Remedy Planet

जब जन्म समय के ग्रह का सीधा उपाय वर्जित हो (अंधा/अधिअंधी), तब उसके स्थान पर मसनूई (प्रतिस्थापन) ग्रह के उपाय करें।

| | |
|---|---|
| जन्म समय का ग्रह | बृहस्पति |
| मसनूई विकल्प | सूर्य, शुक्र |
| टिप्पणी | जन्म समय के ग्रह का सीधा उपाय वर्जित मसनूई ग्रह के उपाय करें |

## 35 Sala Chakkar (35 साल चक्कर) Lal Kitab 35-Year Dasha Cycle

लाल किताब का 35-वर्षीय दशा चक्र प्रत्येक ग्रह को निश्चित अवधि देता है। सक्रिय अवधि दर्शाती है कि इस समय कौन-सा ग्रह जीवन के विषयों को नियंत्रित करता है। बल-अंक बताता है कि दशा जातक के लिए कितनी शुभ है।

| ग्रह | आयु सीमा | अवधि | भाव | बल | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|
| गुरु | आयु 0-6 | 6 yrs | H4 | 88/100 | |
| सूर्य | आयु 6-8 | 2 yrs | H2 | 35/100 | |
| चंद्र | आयु 8-9 | 1 yrs | H4 | 83/100 | |
| शुक्र | आयु 9-12 | 3 yrs | H2 | 50/100 | |
| मंगल | आयु 12-18 | 6 yrs | H11 | 42/100 | |
| बुध | आयु 18-20 | 2 yrs | H1 | 58/100 | |
| शनि | आयु 20-26 | 6 yrs | H6 | 32/100 | |
| राहु | आयु 26-32 | 6 yrs | H10 | 68/100 | ★ ACTIVE |
| केतु | आयु 32-35 | 3 yrs | H4 | 35/100 | |
| गुरु | आयु 35-41 | 6 yrs | H4 | 88/100 | |
| सूर्य | आयु 41-43 | 2 yrs | H2 | 35/100 | |
| चंद्र | आयु 43-44 | 1 yrs | H4 | 83/100 | |
| शुक्र | आयु 44-47 | 3 yrs | H2 | 50/100 | |
| मंगल | आयु 47-53 | 6 yrs | H11 | 42/100 | |
| बुध | आयु 53-55 | 2 yrs | H1 | 58/100 | |
| शनि | आयु 55-61 | 6 yrs | H6 | 32/100 | |
| राहु | आयु 61-67 | 6 yrs | H10 | 68/100 | |
| केतु | आयु 67-70 | 3 yrs | H4 | 35/100 | |

## बुध का भेद · Budh Ka Bhed Mercury's Hidden Nature (बुध की छुपी प्रकृति)

बुध का छुपा स्वभाव सभी ग्रहों के (ग्रह बल × भाव) के योग को 9 से भाग देने पर बचे शेषफल से प्रकट होता है। प्राप्त अंक उस ग्रह को दर्शाता है जो गुप्त रूप से नियंत्रित करता है कि इस कुंडली में बुध कैसा व्यवहार करेगा।

R Kumar
Sampurna Lal Kitab · LALKITAB ASTROLOGY RESEARCH CENTER
Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## कब निकालें · WHEN TO CALCULATE (GURU & BUDH MANDA RULE)

बुध का भेद **केवल तभी** निकाला जाता है जब **गुरु और बुध दोनों मंदा** (पीड़ित) हों: नीच, शत्रु भाव, पीड़ा भाव (गुरु 2/5/9/12, बुध 3/8/9/12), या साथ बैठा कोई शत्रु ग्रह।

**Guru (H11): OK** गुरु मंदा नहीं है (बलवान)

**Budh (H8): Manda** कष्ट भाव 8 में स्थित

**✗ बुध का भेद लागू नहीं (दोनों का मंदा होना आवश्यक)। संदर्भ हेतु दर्शाया गया।**

| 189 | 9 | छुपा हुआ ग्रह: |
|---|---|---|
| Total Sum (योग) | Remainder ÷ 9 | **सूर्य (Surya) · H2** |

## शक्ति × भाव = गुणनफल (STRENGTH × HOUSE = PRODUCT)

| Guru | Surya | Chandra | Shukra | Mangal | Budh | Shani | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 9 | 8 | 7 | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 |
| H4 | H2 | H4 | H2 | H11 | H1 | H6 | H10 | H4 |
| =24 | =18 | =32 | =14 | =55 | =4 | =18 | =20 | =4 |

कुल: **189** ÷ 9 = Remainder: **9**

## 9 छुपा हुआ ग्रह: सूर्य (Surya)

**बुध बन जाता है**

अतः शेषफल **9** है। इस कुंडली में बुध अब **Surya** की तरह काम करेगा।

**भाव का फल**

**Surya भाव 2** में बैठा है। बुध अब **Surya** का रिजल्ट देगा Surya जहाँ है उस **भाव 2** का फल देगा।

**स्वभाव**

बुध इस ग्रह के स्वभाव के अनुसार आचरण करेगा: **सूर्य**. Surya के स्वभाव जैसा बुध फल देगा।

**उपाय**

Perform **सूर्य's** remedies to strengthen Mercury's hidden nature. Surya के उपाय करें।

## Raj Yog & Dharma Sthana (राज योग एवं धर्म स्थान)

### राज योग

3+ उच्च ग्रह = राज योग। 5+ = परम राज योग। केंद्रों (1,4,7,10) में 3-4 = केंद्र राज योग।

**👑 कोई राजयोग नहीं**

उच्च ग्रह: **बृहस्पति**

1 उच्च ग्रह पाए गए (बृहस्पति), लेकिन राजयोग के लिए 3 से कम उच्च ग्रह हैं। कमज़ोर ग्रहों को मज़बूत करने पर ध्यान दें।

### Dharma Sthana Rule (धर्म स्थान नियम)

H2+H12 occupied + H8/H11 enemy → temple auspicious. H8+H12 mutual enemy + H2 empty → inauspicious.

**⛩ Dharma Sthana Auspicious (शुभ)**

कोई विशेष प्रतिबंध नहीं पाया गया। मंदिर जाना सामान्यतः शुभ है भक्तिपूर्वक जाएँ।

## Multi-Planet Yogas (बहु-ग्रह योग) 4-5 Planet Conjunctions

जब 4 या अधिक ग्रह एक ही भाव में हों, तो विशेष योग बनते हैं जो उस भाव के विषयों को अत्यधिक बढ़ाते या बाधित करते हैं।

✓ इस कुंडली में 4-5 ग्रहों की कोई युति नहीं। प्रत्येक भाव स्वतंत्र रूप से कार्य करता है।

## ग्रह मिलन (युति) - भाव-विशिष्ट परिणाम एवं उपाय

| ग्रह युति | भाव | प्रकार | भाव-विशिष्ट परिणाम |
|---|---|---|---|
| **सूर्य + शुक्र** | **भाव 2** | अशुभ | सूर्य-शुक्र युति: शुक्र अस्त हो जाता है वैवाहिक जीवन और सुखों पर दुष्प्रभाव। पत्नी के स्वास्थ्य और भाग्य पर असर। घर में कलह और आर्थिक तनाव। ◆ *उपाय: कभी दहेज न लें। शुक्रवार को दही, सफ़ेद कपड़ा, चावल दान करें। शुक्रवार को गाय को हरा चारा खिलाएँ। शुक्रवार का व्रत रखें। घर के ईशान कोण में चाँदी रखें।* |
| **चंद्र + बृहस्पति** | **भाव 4** | Auspicious | चंद्र-गुरु युति (गजकेसरी योग): श्रेष्ठ संयोग। ज्ञान, समृद्धि, अच्छी माँ, समाज में सम्मान, आध्यात्मिक और शैक्षिक क्षेत्र में सफलता। ◆ *उपाय: गुरुवार को भगवान विष्णु को पीले फूल चढ़ाएँ। चना दाल दान करें। गायों को पीली मिठाई खिलाएँ। माँ और गुरु का सम्मान करें।* |
| **चंद्र + केतु** | **भाव 4** | Auspicious | चंद्र-केतु युति: भावनात्मक वैराग्य, आध्यात्मिक झुकाव, माता का स्वास्थ्य खराब, मानसिक अशांति, शिक्षा में रुकावट, मानसिक अनुभव। ◆ *उपाय: कुत्तों को दूध में भीगी रोटी खिलाएँ। मंदिर में रंग-बिरंगा कंबल दान करें। मंगलवार को दुर्गा माँ की पूजा करें। घर में चाँदी का गणेश रखें। घर में चमेली का पौधा लगाएँ।* |
| **बृहस्पति + केतु** | **भाव 4** | Auspicious | गुरु-केतु युति: गहरा आध्यात्मिक ज्ञान, पूर्व-जन्म की प्रज्ञा, दर्शन और रहस्यवाद। भौतिक हानि, परिवार से वैराग्य, जिगर और जाँघ की समस्याएँ। ◆ *उपाय: भगवान गणेश की पूजा करें और पीली मिठाई चढ़ाएँ। गुरुवार को पीले वस्त्र और रंग-बिरंगी वस्तुएँ दान करें। कुत्तों को आटे की रोटी खिलाएँ। बुधवार को गणेश मंदिर जाएँ।* |
| **चंद्र + बृहस्पति + केतु** | **भाव 4** | 3-ग्रह युति | गुरु+चंद्र+केतु: जातक को आलसी बनाता है। तीनों ग्रह बुरा फल देते हैं। |

## Makan Kab Banwaye (मकान कब बनवाएं) Home Construction Timing by Saturn

लाल किताब सिखाती है कि घर बनाने का सही समय शनि के भाव पर निर्भर करता है। गलत समय पर निर्माण से आर्थिक हानि और घरेलू कष्ट होता है।

| | |
|---|---|
| **शनि का भाव** | **H6 (Shani)** |
| **निर्माण काल** | **केवल 36 वर्ष की आयु के बाद बनाएँ** |

**शर्तें:**

छठे भाव में शनि 36 वर्ष से पहले घर बनाने से नौकरी/कर्ज की समस्या। 36 के बाद अनुकूल।

## Upay Ke Niyam (उपाय के नियम) Rules for Performing Lal Kitab Remedies

लाल किताब के उपाय कठोर नियमों का पालन करते हैं। नियम-उल्लंघन उपाय का फल समाप्त कर देता है। प्रत्येक नियम का 40-43 लगातार दिनों तक सावधानी से पालन करें।

लाल किताब उपाय सही ढंग से करने के लिए इन नियमों का पालन करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने से उपाय का प्रभाव कम होता है या उलटा असर हो सकता है। 1. सभी उपाय केवल दिन के समय (सूर्योदय से सूर्यास्त तक) करें। रात को उपाय कभी न करें। 2. अवधि: अधिकांश लाल किताब उपाय बिना रुके लगातार 40 या 43 दिन करने चाहिए। 3. चतुर्थी (4), चतुर्दशी (14), या नवमी (9) तिथि को उपाय शुरू न करें ये अशुभ प्रारंभ तिथियाँ हैं। 4. बादल वाले (घटाटोप) दिन उपाय शुरू न करें स्पष्ट आकाश की प्रतीक्षा करें। 5. एक दिन में केवल एक उपाय करें। एक ही दिन कई उपाय न मिलाएँ। 6. बहते जल (नदी, नाले) के लिए उपाय: वस्तु अर्पित/प्रवाहित करने से पहले उसे 7 बार घड़ी की विपरीत दिशा में चक्कर लगाएँ। 7. उच्च ग्रह से जुड़ी वस्तुएँ उपाय के रूप में दान न करें इससे जातक को हानि होगी। 8. नीच ग्रह से जुड़ी वस्तुएँ उपहार में न लें इन्हें स्वीकार करने से जातक को हानि होती है। 9. यदि उपाय में खिलाना शामिल है, तो इसे अपने हाथों से करें दूसरों को न सौंपें। 10. उपाय के बारे में श्रेय न लें और दूसरों को न बताएँ इससे प्रभाव कम होता है। 11. यदि उपाय पक्का घर के ग्रह के लिए है, तो उपाय तुरंत सक्रिय होता है। सोये हुए ग्रह के लिए जागृति आयु तक जारी रखें। 12. जन्म समय के ग्रह (जन्म होरा ग्रह) के लिए उपाय कभी सीधे नहीं किए जाते हमेशा मसनुई (विकल्प) ग्रह के लिए करें। 13. जन्म दिन के ग्रह (जन्म वार ग्रह) के उपाय सीधे पूर्ण लाभ के साथ किए जा सकते हैं।

### Khazana Potli (खज़ाना पोटली) 25. खजाना पोटली (Khazana Potli)

खजाना पोटली लाल किताब का एक विशेष उपाय है जिसमें विशेष वस्तुएँ या रत्न भाव-विशेष नियमों के अनुसार रखे या दबाए जाते हैं। बजट उपाय सस्ते और आसान हैं, प्रीमियम उपाय अधिक शक्तिशाली हैं। **भाव 2 गुरु/चंद्र:** बजट उपाय: हल्दी की गाँठें और चाँदी के सिक्के वाली पीली कपड़े की थैली परिवार की अलमारी में रखें। प्रीमियम उपाय: पीले पुखराज या मूनस्टोन को पीली रेशमी थैली में नकद बक्से में रखें। समय: गुरुवार को गुरु होरा (6-8 बजे) में रखें। **भाव 4 चंद्र:** बजट उपाय: सफेद कपड़े में मूनस्टोन मोती, घर के मुख्य दरवाजे या केंद्र के पास रखें। नकारात्मक चंद्र के लिए नदी में प्रवाहित करें। प्रीमियम उपाय: चाँदी की

| विवरण | मान |
|---|---|
| **भाव 2 (गुरु/चंद्र)** | बजट: हल्दी की गाँठें और चाँदी के सिक्के वाली पीली कपड़े की थैली परिवार की अलमारी में रखें। |
| **भाव 4 (चंद्र)** | बजट: सफेद कपड़े में मूनस्टोन मोती, घर के मुख्य दरवाजे या केंद्र के पास रखें। नकारात्मक चंद्र के लिए नदी में प्रवाहित करें। |
| **भाव 11 (गुरु/शनि)** | बजट: हल्दी की गाँठें पीले कपड़े की थैली में, व्यक्तिगत तिजोरी या आय लॉकर में रखें। |
| **भाव 1 (सूर्य/मंगल)** | बजट: लाल धागे/कपड़े में लिपटा ताँबे का सिक्का पहले भाव के कमरे के कोने में रखें। |
| **भाव 6 (बुध/केतु)** | बजट: छठे भाव के लिए खजाना पोटली नहीं कुत्तों को खाना खिलाएँ (केतु के लिए), पक्षियों को हरी मूँग खिलाएँ (बुध के लिए)। |
| **भाव 10 (शनि/सूर्य)** | बजट: सरकारी सीमा/सरकारी भूमि के कोने पर लोहे की कीलें गाड़ें (घर के अंदर नहीं)। |

- हल्दी की गाँठें और चाँदी के सिक्के वाली पीली कपड़े की थैली परिवार की अलमारी में रखें।
- सफेद कपड़े में मूनस्टोन मोती, घर के मुख्य दरवाजे या केंद्र के पास रखें। नकारात्मक चंद्र के लिए नदी में प्रवाहित करें।
- हल्दी की गाँठें पीले कपड़े की थैली में, व्यक्तिगत तिजोरी या आय लॉकर में रखें।

## Grah Drishti (ग्रह दृष्टि) · Lal Kitab Aspects

लाल किताब में दृष्टि का नियम वैदिक ज्योतिष से भिन्न है। भाव 1-6 आगे के निर्धारित भावों पर दृष्टि डालते हैं। तीन बल हैं: **100% (पूर्ण)**, **50% (अर्ध)**, **25% (चरण)**। मित्र ग्रह की दृष्टि शुभ, शत्रु ग्रह की दृष्टि अशुभ। वक्री (पीछे की) दृष्टि *मित्रता के बावजूद सदा अशुभ* होती है।

### ग्रह दृष्टि विवरण

| ग्रह | भाव से | दृष्टि |
|---|---|---|
| **सूर्य**<br>सूर्य | **H2** | 25% H2 → H6 → शनि |
| **चंद्र**<br>चंद्र | **H4** | 100% H4 → H10 → राहु |
| **बुध**<br>बुध | **H1** | 100% H1 → H7 → रिक्त |
| **बृहस्पति**<br>बृहस्पति | **H4** | 100% H4 → H10 → राहु |
| **शुक्र**<br>शुक्र | **H2** | 25% H2 → H6 → शनि |
| **शनि**<br>शनि | **H6** | 25% H6 → H12 → रिक्त<br>100% H6 → H2 **(वक्री always harmful)** → सूर्य, शुक्र |
| **केतु**<br>केतु | **H4** | 100% H4 → H10 → राहु |

### दृष्टि तालिका

| घर | देखता है | बल | टिप्पणी |
|---|---|---|---|
| **H1** | H7 | **100%** | पूर्ण अग्र दृष्टि |
| **H2** | H6 | 25% | चरण (पाव) दृष्टि |
| **H3** | H9, H11 | **50%** | दो भावों पर अर्ध दृष्टि |
| **H4** | H10 | **100%** | पूर्ण केंद्र दृष्टि |
| **H5** | H9 | **50%** | अर्ध दृष्टि |
| **H6** | H12 | 25% | चरण (पाव) दृष्टि |
| **H8** | H2 | **100% वक्री** | सदा अशुभ भाव 2 में मित्र हो तो भी |
| **H8** | H12 | 25% | चरण (पाव) दृष्टि |
| **Budh in H9** | H3 | वक्री | नवम भाव का बुध तृतीय भाव के ग्रहों को क्षीण करता है |
| **Budh in H12** | H6 | वक्री | बारहवें भाव का बुध छठे भाव के ग्रहों को क्षीण करता है |
| **Shani in H6** | H2 | वक्री | छठे भाव का शनि द्वितीय भाव का फल सदा नष्ट करता है |

## महा उपाय योजना - कौन-सा उपाय, किस क्रम में, और क्यों

इस रिपोर्ट में अनेक उपाय अपने-अपने दोष के पास दिये गये हैं। यह पृष्ठ उन सबको एक क्रमबद्ध विधान में एकत्र करता है - लाल किताब का शास्त्रीय क्रम: पहले ऋण से मुक्ति, फिर मंदा ग्रहों की शांति, फिर सोये ग्रहों का जागरण, फिर झगड़ते ग्रह-मिलनों का समाधान। क्रम का पालन करें; सब कुछ एक साथ न करें।

Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

| क्रम | वर्ग एवं लक्ष्य | उपाय | क्यों आवश्यक है |
|---|---|---|---|
| 1 | **ऋण मुक्ति (पितृ/कर्ज़ शांति)**<br>पितृ ऋण (पूर्वजों का ऋण) - शुक्र/बुध/राहु का ऋण | **सभी खून के रिश्तेदारों से एक-एक रुपया इकट्ठा करें और उसी दिन मंदिर में दान करें।** | यह कर्म-ऋण कुंडली में सक्रिय है। लाल किताब का नियम है कि जब तक ऋण की शांति नहीं होती, ग्रहों के उपाय आधा फल देते हैं - इसीलिए यह सबसे पहले है। |
| 2 | **ऋण मुक्ति (पितृ/कर्ज़ शांति)**<br>स्त्री ऋण (स्त्री का ऋण) - सूर्य/चंद्र/राहु का ऋण | **सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर धन लेकर उसी दिन 100 गायों को स्वादिष्ट भोजन कराएँ।** | यह कर्म-ऋण कुंडली में सक्रिय है। लाल किताब का नियम है कि जब तक ऋण की शांति नहीं होती, ग्रहों के उपाय आधा फल देते हैं - इसीलिए यह सबसे पहले है। |
| 3 | **ऋण मुक्ति (पितृ/कर्ज़ शांति)**<br>मातृ ऋण (माँ का ऋण) - केतु का ऋण | **सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर चाँदी लेकर उसी दिन नदी में प्रवाहित करें।** | यह कर्म-ऋण कुंडली में सक्रिय है। लाल किताब का नियम है कि जब तक ऋण की शांति नहीं होती, ग्रहों के उपाय आधा फल देते हैं - इसीलिए यह सबसे पहले है। |
| 4 | **ऋण मुक्ति (पितृ/कर्ज़ शांति)**<br>भाई/बंधु ऋण (भाई/रिश्तेदारों का ऋण) - बुध/केतु का ऋण | **सभी खून के रिश्तेदारों से बराबर धन इकट्ठा करके किसी हकीम या डॉक्टर को दें ताकि वे दूसरों की मदद करें।** | यह कर्म-ऋण कुंडली में सक्रिय है। लाल किताब का नियम है कि जब तक ऋण की शांति नहीं होती, ग्रहों के उपाय आधा फल देते हैं - इसीलिए यह सबसे पहले है। |
| 5 | **मंदा ग्रह शांति**<br>शनि (भाव 6) - मंदा | **शनिवार को काले तिल, लोहे की वस्तुएँ और सरसों का तेल दान करें।** | शनि इस कुंडली में मंदा है। मंदा ग्रह अपने भाव और दृष्टि-भावों का फल बिगाड़ता है - इसकी शांति उपचार का मूल है। |

R Kumar
Sampurna Lal Kitab · LALKITAB ASTROLOGY RESEARCH CENTER
Ph: 919978781460 |
www.lalkitabremedies.com
17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga,
Chandkheda, Ahmedabad

## महा उपाय योजना (क्रमशः)

| क्रम | वर्ग एवं लक्ष्य | उपाय | क्यों आवश्यक है |
|---|---|---|---|
| 6 | **मंदा ग्रह शांति**<br>सूर्य (भाव 2) - मंदा | **प्रतिदिन सूर्योदय के समय गुड़ मिला जल सूर्य को अर्पित करें।** | सूर्य इस कुंडली में मंदा है। मंदा ग्रह अपने भाव और दृष्टि-भावों का फल बिगाड़ता है - इसकी शांति उपचार का मूल है। |
| 7 | **मंदा ग्रह शांति**<br>चंद्र (भाव 4) - मंदा | **हमेशा अपने पास चाँदी का चौकोर टुकड़ा या सिक्का रखें।** | चंद्र इस कुंडली में मंदा है। मंदा ग्रह अपने भाव और दृष्टि-भावों का फल बिगाड़ता है - इसकी शांति उपचार का मूल है। |
| 8 | **मंदा ग्रह शांति**<br>मंगल (भाव 11) - मंदा | **कुत्तों को गुड़ वाली रोटी खिलाएँ।** | मंगल इस कुंडली में मंदा है। मंदा ग्रह अपने भाव और दृष्टि-भावों का फल बिगाड़ता है - इसकी शांति उपचार का मूल है। |
| 9 | **सोया ग्रह जागरण**<br>बुध भाव 1 में सोया हुआ | **पक्षियों को, विशेष रूप से तोतों को, हरी मूँग दाल खिलाएँ।** | सोया ग्रह जागने तक कोई फल नहीं देता; यह स्वयं लगभग 34 पर जागता है। यह उपाय उसके आशीर्वाद को समय से पहले जगाता है। |
| 10 | **ग्रह मिलन शांति**<br>सूर्य + शुक्र भाव 2 में | **कभी दहेज न लें। शुक्रवार को दही, सफ़ेद कपड़ा, चावल दान करें। शुक्रवार को गाय को हरा चारा खिलाएँ। शुक्रवार का व्रत रखें। घर के ईशान कोण में चाँदी रखें।** | ये दोनों ग्रह शत्रुवत मिलन में बैठे हैं - सूर्य-शुक्र युति: शुक्र अस्त हो जाता है वैवाहिक जीवन और सुखों पर दुष्प्रभाव। पत्नी के स्वास्थ्य और भाग्य पर अ। उपाय दोनों में से किसी को कमज़ोर किए बिना उनका झगड़ा शांत करता है। |
| 11 | **ग्रह मिलन शांति**<br>चंद्र + केतु भाव 4 में | **कुत्तों को दूध में भीगी रोटी खिलाएँ। मंदिर में रंग-बिरंगा कंबल दान करें। मंगलवार को दुर्गा माँ की पूजा करें। घर में चाँदी का गणेश रखें। घर में चमेली का पौधा लगाएँ।** | ये दोनों ग्रह शत्रुवत मिलन में बैठे हैं - चंद्र-केतु युति: भावनात्मक वैराग्य, आध्यात्मिक झुकाव, माता का स्वास्थ्य खराब, मानसिक अशांति, शिक्षा में रुकावट। उपाय दोनों में से किसी को कमज़ोर किए बिना उनका झगड़ा शांत करता है। |

## महा उपाय योजना (क्रमशः)

### क्रम - उपाय करने की विधि

1. सबसे पहले केवल प्राथमिकता 1 का उपाय आरम्भ करें। एक उपाय, एक 40-43 दिन का चक्र - लाल किताब एक ही चक्र में कई ग्रहों के उपाय मिलाने से मना करती है, क्योंकि तब ग्रहों में फल का विवाद हो जाता है।
2. चक्र पूर्ण होने पर तीन दिन विश्राम करें, फिर अगली प्राथमिकता उठाएँ। दैनिक सार्वभौमिक उपाय (जीवों को भोजन, बड़ों का सम्मान) निरंतर साथ चलते हैं - इनमें कोई विरोध नहीं।
3. यदि साधन सीमित हों और एक ही उपाय हो सके, तो इस सारणी की पहली पंक्ति चुनें - ऋण और सबसे निर्बल ग्रह (शनि) ही वह स्थान हैं जहाँ कुंडली सबसे अधिक क्षीण होती है, और जहाँ एक सच्चा चक्र सबसे अधिक फल लौटाता है।

4. बीच में छूटा उपाय पहले दिन से पुनः आरम्भ होता है। पाँच अधूरे संकल्पों से एक पूर्ण व्रत श्रेष्ठ है।

## उपाय के नियम

| | |
|---|---|
| **मुहूर्त** | प्रत्येक उपाय ग्रह के अपने वार को, यथासम्भव शुक्ल पक्ष में आरम्भ करें, और 40-43 सूर्योदय तक अखण्ड चलाएँ - लाल किताब के अनुसार यही अवधि संस्कार को जड़ पकड़ाती है। |
| **अखण्ड नियम** | व्रत खण्डित न हो। एक भी दिन चूकने पर साधना पहले दिन से आरम्भ होती है - ग्रह संकल्प नहीं, निष्ठा गिनते हैं। |
| **जल प्रवाह** | जल में अर्पित वस्तु सदा बहते जल में डालें - नदी, नहर या समुद्र। ठहरा जल दोष को बहाने के बदले वहीं रोक लेता है। |
| **दान विधि** | दान झुकी दृष्टि और आदर से दें; जिस क्षण दान धन्यवाद या दिखावा चाहे, उसका ग्रह-फल समाप्त हो जाता है। |
| **जीव सेवा** | निर्धारित जीव को प्रतिदिन एक ही समय, एक ही स्थान पर भोजन दें - ग्रह मात्रा नहीं, नियमितता देखते हैं। |
| **शुद्ध सामग्री** | धातु शुद्ध, अन्न ताज़ा, वस्त्र अप्रयुक्त। लाल किताब कृत्रिम विकल्प स्वीकार नहीं करती - अशुद्ध सामग्री बिना भेजा पत्र है। |
| **क्रम** | एक चक्र में एक ही ग्रह का उपाय - पिछले पृष्ठ की महा उपाय योजना के क्रम से। एक साथ पूजे गये ग्रह फल पर विवाद करते हैं। |
| **फल** | पहला सुधार 40-43 दिन के चक्र में ही अनुभव होता है; परिस्थिति का गहरा परिवर्तन तीन से छह मास के निरन्तर नियम से पकता है। |

## सार्वभौमिक दैनिक उपाय

- ◆ घर की देहरी कभी खाली हाथ न लाँघें - जेब में सिक्का, फल या अन्न लक्ष्मी को साथ रखता है।
- ◆ प्रतिदिन प्रातः अपने भोजन से पहले कुत्ते, गाय या पक्षियों को खिलाएँ; जीव सेवा एक ऐसा उपाय है जो नवों ग्रहों को एक साथ शांत करता है।
- ◆ घर का नैऋत्य (दक्षिण-पश्चिम) कोना स्वच्छ और खुला रखें - वह पितरों का स्थान है, और उनकी अशांति परिवार की अशांति बनती है।

## अंतिम निष्कर्ष

| | |
|---|---|
| **कुंडली का प्रकार** | **नेकी कुंडली (मिश्रित)** |
| **सारांश** | लाल किताब के अनुसार यह एक नेकी (मिश्रित) कुंडली है। शुभ और अशुभ ग्रह-स्थितियों का संतुलित मिश्रण है। जातक को जीवन भर अनुकूल और चुनौतीपूर्ण दोनों तरह के दौर आएंगे। कमज़ोर ग्रहों के उपाय करने से समग्र भाग्य में सुधार होगा। |
| **प्राथमिक कर्तव्य** | **कुंडली का पहला कर्तव्य शनि (32/100) की शांति है - महा उपाय योजना के क्रम से इसका चक्र आरम्भ करें।** |
| **श्रेष्ठ बल** | **बृहस्पति (88/100) कुंडली का कायम स्तम्भ है - महत्वपूर्ण कार्य इसके वार और इसकी दिशा में करें।** |
| **अस्वीकरण** | यह विवेचन शुद्ध खगोलीय गणना पर आधारित है और लाल किताब परम्परा से किया गया है। उपाय 40-43 अखण्ड दिन माँगते हैं; फल प्रत्येक जातक के कर्म और निष्ठा से घटता-बढ़ता है। बड़े निर्णयों के लिए योग्य ज्योतिषी के साथ बैठें। |

|| Jai Shri Ganesh || Jai Maa Durga || Jai Mahakal ||

रिपोर्ट तैयार करने वाले

LALKITAB ASTROLOGY RESEARCH CENTER

📞 919978781460 ✉ hello@lalkitabremedies.com 🌐 www.lalkitabremedies.com

🏠 17, Shrushti Bunglows B/h Shell Ganga, Chandkheda, Ahmedabad